दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 247 | ग्वालियर,मंगलवार, 27 जून 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

हिमाचल में फटा बादल, चारों तरफ पानी, चट्टानों का मलबा, सड़कें ब्लॉक और जाम का झाम

देश के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में मॉनसून अपने साथ आफत लेकर आया है. राज्य में मॉनसून सक्रिय होने के साथ ही बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनाएं सामने आ रही है, जिससे यहां जन-जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है. यहां चारों तरफ पानी ही पानी और भूस्खलन का मलबा जमा नजर आ रहा है. तबाही का आलम यह है कि सरकारी मशीने चट्टानों के मलबे में फंसे वाहनों को निकालने में जुटी हैं. नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और नाले उफान पर हैं. एक अनुमान के मुताबिक इस दौरान करोड़ों की सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है. इसके साथ ही भूस्खलन के चलते कई राष्ट्रीय राजमार्गों को बंद कर दिया गया है. इस क्रम में मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पिछले 20 घंटों से बंद है. सड़कों की दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें नजर आ रही हैं. इसके साथ ही कुल्लू-मंडी हाइवे पर भी भारी जाम की स्थिति है. एक रिपोर्ट के अनुसार सड़क पर दोनों तरफ लगभग 11 किलोमीटर लंबा जाम है. वहीं, मौसम खराब होने की वजह पर्यटक बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, जिसके चलते यहां सारे होटल फुल हैं. होटलों में कोई कमरा खाली नहीं है. सड़कों को खाली करने में जुटा सरकारी अमला मलबा हटाने के लिए विस्फोटक का इस्तेमाल कर रहा है.एक रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में 400 से ज्यादा लोगों को फंसे होने की खबर है. जिसमें से 200 लोग तो अकेले मंडी में फंसे हैं. आपको बता दें कि हिमाचल प्रदेशमें पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है. यहां कांगड़ा के धर्मशाला में 106.6 मिमी, कटौला में 74.5 मिमी, गोहर में 67 मिमी. मंडी में 56.4 मिमी, पोंटा साहिब में 43 मिमी और पालमपुर में 32.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है.

इस्लामी कानून विवाह से पहले यौन संबंध को नहीं देता मान्यता... हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश।इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच का एक फैसला फिलहाल सुर्खियों में है, जहां कोर्ट ने लिव इन रिलेशनशिप से संबंधित एक याचिका पर अनोखा फैसला सुनाया है. दरअसल उत्तर प्रदेश में अंतर धार्मिक लिव-इन में रहने वाला एक जोड़ा पुलिस की प्रता?ना से राहत दिलाने की मांग को लेकर हाई कोर्ट पहुंचा था, जहां कोर्ट ने उलटा उन्हें ही इस्लाम में विवाह के नियमों का हवाला देते हुए इस्लाम

में हराम बताए किसी भी प्रकार के संबंधों को ब?ावा नहीं देने की बात कह दी. साथ ही अंतर धार्मिक जोड़े को ऐसी किसी भी प्रकार की राहत देने से इनकार कर दिया. अपने इस फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि इस्लाम में बताए नियमों के मुताबिक विवाह से पहले किसी भी प्रकार का यौन, वासनापूर्ण, स्नेहपूर्ण कृत्य जैसे चुंबन स्पर्श, घूरना वर्जित है और, जिसे इस्लाम में हराम करार दिया गया है. इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने दरअसल इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने लिव इन रिलेशनशिप मामले में याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इस्लाम में विवाह से पहले यौन संबंध बनाने की अनुमति नहीं दी गई है. इसके साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वासना या विवाह से पहले प्रेम प्रदर्शित करने वाले किसी भी कार्य जैसे चुंबन, स्पर्श और यहां तक घूरने की अनुमति नहीं इस्लाम में हराम मानी गई है. इसके साथ ही कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े ने कथित पुलिस उत्पीड़न से सुरक्षा की मांग को भी खारिज कर दिया है. गौरतलब है कि अंतर धार्मिक दंपति ने कोर्ट में याचिका दायर कर पुलिस से सुरक्षा की मांग की थी, जोड़े ने आरोप लगाया था कि महिला की मां इस लिव-इन रिलेशनशिप से नाखुश है. उन्होंने इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके बाद उन्हें पुलिस परेशान कर रही थी. वहीं इसपर फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ बेंच की जस्टिस संगीता चंद्रा और जस्टिस नरेंद्र कुमार जौहरी की खंडपीठ ने कहा कि इस्लाम के कानून के मुताबिक विवाह से पहले यौन संबंध को मान्यता नहीं है, लिहाजा पुलिस से सुरक्षा की मांग करने वाली दंपति की याचिका खारिज की जाती है.

देर रात मोबाइल चलाने पर मां ने डांटा... तो 16 साल के लड़के ने दी जान

उत्तर प्रदेश।मोबाइल नहीं... तो मौत सही ! खबर उत्तर प्रदेश के इटावा की है, जहां एक बच्चे ने मां के डांटने पर खुदकुशी करली. मिली जानकारी के मुताबिक बच्चा जब देर रात मोबाइल चला रहा था, तो मां ने उसे सो जाने को कहा. जब वो नहीं माना और मोबाइल चलाने के जिद करने लगा, तो मां ने उसे डांट दिया. मां की डाट से वो इस कदर आहत हो गया कि उसने खुद को अपने कमरे में कैद कर लिया. कुछ देर बाद भी जब कमरे में कोई हलचल नहीं हुई, तो छोटी बहन उसे बुलाने गई, मगर वहां तो मंजर था उसे देख बहन की चीख निकल गई...दरअसल ये पूरा वाकया इटावा के सैफई थाना क्षेत्र में एक गांव का है, जहां कक्षा 10 में पढ़ने वाला एक 16 साल का लड़का, देर रात मोबाइल चला रहा था.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं जाएंगे शहडोल, रद्द हुआ दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों लगातार दौरों पर हैं. पहले अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा. इसके बाद मिस्त्र का दौरा और भारत आने के बाद से ही पीएम लगातार यात्रा ही कर रहे हैं. मध्य प्रदेश में पीएम मोदी को अलग-अलग शहरों में दौरा करना था, लेकिन अचानक उनका एमपी का शहडोल दौरा रद्द कर दिया गया है. इसके पीछे जो मुख्य वजह सामने आई है उसके मुताबिक खराब मौसम के कारण पीएम मोदी की शहडोल विजिट को कैंसिल किया गया है. खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस बात की जानकारी दी है.बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शहडोल और लालपुरा के दौरे को स्थगित कर दिया गया है. यह दौरा 27 जून यानी मंगलवार को होना था. खुद सीएम चौहान ने कहा है कि, प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई जगह सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिक्कत हो सकती है. लिहाजा पीएम मोदी की यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है. पीएम मोदी की दौरे के रद्द होने की वजह मौसम तो है ही साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ये भी कहा कि, अगर मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक भारी बारिश होती है तो कार्यक्रम में आने वाली जनता को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा. लिहाजा इस कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है. हालांकि सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ये भी कहा है कि प्रधानमंत्री के दौरे के स्थगित होने से लोगों को निराश होने की जरूरत नहीं है. जल्द ही ये कार्यक्रम दोबारा आयोजित किया जाएगा और इस दौरान पीएम मोदी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे.

दिल्ली में कार लूट के बाद सीएम केजरीवाल ने उठाए सवाल, बोले- एलजी को इस्तीफा दे देना

नई दिल्ली।देश की राजधानी दिल्ली में आए दिन हो रही वारदातों को लेकर कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं. ताजा मामला प्रगति मैदान में कार से लूट का है. इस मामले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं. साथ ही उपराज्यपाल पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि स्त्र को इस्तीफा दे देना चाहिए. शनिवार को प्रगति मैदान टनल के भीतर एक कारोबारी की कार रोककर चार बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने 2 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए. लूट का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो चुका है. सीएम अरविंद केजरीवाल ने लूट का वीडियो शेयर करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए. केजरीवाल ने कहा कि एलजी को इस्तीफा दे देना चाहिए. बता दें कि दिल्ली सरकार में कानून-व्यवस्था उप-राज्यपाल के तहत आता है. दरअसल, 24 जून (शनिवार) को दोपहर 3 बजे दिल्ली के हाई फाई इलाके में स्थित प्रगति मैदान के टनल में चार नकाबपोश बदमाशों ने कार से आ रहे डिलीवरी एजेंट और उसके साथी के साथ लूट की वारदात का अंजाम दिया. दो बाइक से आए चार लुटेरों ने कार के आगे एक बाइक और साइड में एक बाइक खड़ी कर बंदूक की नोंक पर 2 लाख रुपये से भरे भैग को छीनकर फरार हो गए. घटना के बाद दिल्ली में सुरक्षा को लेकर आम आदमी पार्टी ने उपराज्यापाल को घेरा है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा ट्वीट कर एलजी पर निशाना साधा. केजरीवाल ने अपने ट्विटर हैंडल से प्रगति मैदान टनल में कारोबारी से लूट के वीडियो को शेयर किया और उपराज्यपाल से इस्तीफा मांगा. केजरीवाल ने ट्वीट किया कि %एलजी को इस्तीफा देना चाहिए. किसी ऐसे व्यक्ति के लिए रास्ता बनाएं,

क्या टूट गया विपक्षी एकता का सूत्र, बंगाल पहुंचते ही ममता ने कांग्रेस को बताया बीजेपी की टीम

नई दिल्ली।23 जून को पटना में विपक्षी एकजुटता की तस्वीर देखने को मिली थी, उसमें नीतीश कुमार की अगुवाई में 16विपक्षी दलों की बैठक आयोजित हुई थी. इसमें मुख्य तौर पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी थी. जिसमें समान विचारधारा वाली पार्टी को एक साथ चुनाव लड़ने पर सहमति बनी, लेकिन उसके तीन दिन बाद ही ममता बनर्जी से महाजुटान का खुमार उतरने लगा. ममता ने बंगाल पहुंचते ही कांग्रेस और सीपीएम को आड़े हाथ लेते हुए बीजेपी पर जोरदार हमला बोला. उन्होंने कहा कि कांग्रेस बीजेपी की बी टीम है. ममता ने कांग्रेस, सीपीएम और बीजेपी को महा-घोंट बताते हुए लोगों से इनके पक्ष में वोट नहीं करने की अपील की. दीदी ने कहा कि बीजेपी प्रचार करने वालों की पार्टी है. उसका समर्थन कभी नहीं करें. साथ ही कांग्रेस और वाम दलों से भी दूरी बनाकर रहें. पंचायत चुनाव का प्रचार करने कूचबिहार पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हम केंद्र में बीजेपी के खिलाफ महागठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं. पर यहां वे (कांग्रेस- सीपीएम) मेरे बारे में धरना प्रदर्शन और अपशब्द बोल रहे हैं. मैं इनकी दोहरी मानसिकता को तोड़ कर रहूंगी. दिल्ली से बंगाल में अब महा जोत होगाममता ने कांग्रेस को बंगाल में बीजेपी की टीम बताया. प्रचार करते हुए ममता ने लोगों

से बीजेपी को वोट नहीं करने की अपील की. साथ ही कहा कि वामदल को वापस मत लाओ .. कांग्रेस तो बीजेपी की टीम है. अगर वह यहां आ गई तो बंगाल के लिए जटिलताएं पैदा करेंगी.

केसीआर के कई नेताओं ने कांग्रेस का दामन थामा, राहुल गांधी ने दिलाई सदस्यता

तेलंगान विधानसभा में 119 सीटों पर होने वाले चुनावों को लेकर राज्य की सत्ताधारी पार्टी बीआरएस को बड़ा झटका लगा है. तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव केसीआर की पार्टी के कई नेताओं ने सोमवार को कांग्रेस का हाथ थाम लिया. बताया जा रहा है कि यह संख्या 10 के करीब है. इनमें पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव सहित कई नेता शामिल हैं. दिल्ली में कांग्रेस कार्यलय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में इन नेताओं को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गई. इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी के तेलंगाना प्रभारी माणिकराव ठाकरे और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी भी शामिल थे

यूपी बोर्ड के 9-12वीं तक के सिलेबस में किए गए ये बदलाव, अब क्रिप्टो और की भी होगी पढ़ाई

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने नौवीं से लेकर 12वीं क्लास तक के पाठ्यक्रम में बदलाव किया है. जिसके तहत नैतिक, योग, खेल एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा और विनायक दामोदर सावरकर समेत 50 महापुरुषों की जीवनी को शामिल किया गया है. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल के मुताबिक, 9वीं से लेकर 12वीं तक के नैतिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में 50 महापुरुषों की जीवनगाथा जोड़ी गई है. इसके साथ ही कंप्यूटर के पाठ्यक्रम में भी कई चीजों को शामिल किया गया है.

27 जून को चलाई जाएंगी एक साथ 5 वंदेभारत ट्रेन, पीएम मोदी स्वयं करेंगे रवाना

नई दिल्ली। 27 जून यानि मंगलवार देश के लोगों के लिए बहुत ही खास है. क्योंकि इस दिन सिर्फ 15 मिनट में 5 वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ किया जाएगा. पांचों ट्रेनों को प्रधानमंत्री मोदी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. आपको बता दें कि इनमें एक स?थान पर प्रधानमंत्री स?वयं मौजूद रहेगे, जबकि अन?य स?थानों पर वर्चुअल झंडी दिखाई जाएगी. पूरा देश इस अद्भुत नजारे का साक्षी बनेगा. आपको बता दें कि इससे पहले देश में 18 वंदे भारत ट्रेनों का सफल संचालन हो रहा है. इन 5 ट्रेनों के बाद देश में वंदे भारत एक्सप्रेस की संख्या 23 हो जाएगीरेलवे के मुताबिक प्रधानमंत्री जिस स्थान पर स्वयं मौजूद रहेंगे. उस राज्य का नाम मध्य प्रदेश हैं. यहां से कुल दो ट्रेनों को रवाना किया जाएगा. जबकि अन्य स्थानों पर वर्चुअल इनोग्रेशन किया जाएगा. आपको बता दे कि वर्तमान में कुल 18 वंदे भारत ट्रेन देश में चल रही हैं. आपको बता दें कि मध्य प्रदेश के दो प्रमुख शहरों भोपाल से जबलपुर को जोड़ने के लिए वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत होने वाली है. वहीं एक ट्रेन बिहार और झारखंड राज्य को जोड़ने के लिए चलाई जाएगी. झारखंड और बिहार राज?यों के लिए यह पहली वंदेभारत ट्रेन होगी. दोनों राजधानियों को जोड़ने यानी रांची से पटना के लिए ट्रेन चलाई जा रही है.रेलवे के मुताबिक कर्नाटक के लिए 27 जून को दूसरी वंदेभारत चलाई जा रही है. इससे पहले एक ट्रेन चेन?नई-बेंगलुरू-मैसूर के बीच चल रही है. वहीं एक ट्रेन गोवा-मुंबई वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन ओडिशा ट्रेन हादसे की वजह से टाल दिया गया था. अब इसका उद्घाटन किया जाएगा. संभावना है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में देश के अन्य हिस्सों में भी वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी.

देश के किसानों को राहत, अब चेहरा दिखाकर पूरा होगा ई केवायसी प्रोसेस

यदि आप भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थी हैं तो ये खबर आपको बहुत काम की है. क्योंकि सरकार ने देश के करोड़ों किसानों की बहुत बड़ी समस्या को चुटकियों में हल कर दिया है. आपको बता दें कि अब देश के किसानों को ई-केवाइसी कराने के लिए किसी साइबर कैफे या अन्य तकनीक जरूरत नहीं होगी. एप के माध्यम से सिर्फ चेहरा दिखाकर ही वे ई-केवाइसी प्रक्रिया को पूरा कर सकेंगे. आपको बता दें कि ई-केवाइसी की वजह से ही लगभग 2 करोड़ किसानों को पीएम किसान निधि की 13वीं किस्त से वंचित कर दिया गया था.. आपको बता दें कि ऐसा पहली बार हुआ है जब किसानों को राहत देते हुए सरकार ने सेंट्रल वेलफेयर स्कीम के लिए गवर्नमेंट नऐप म सुविधा शुरू की है. नए फीचर के तहत किसानों को कोई ओटीपी नहीं डालना पड़ेगा, सिर्फ चेहरा दिखाने मात्र से ही ई-केवाइसी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी. केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने एक इवेंट में ऐप के फीचर को लॉन्च किया है. आपको बता दें कि ये सुविधा ऐसे किसानों के लिए काफी लाभदायक होगी जो बुजुर्ग हैं और उनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक नहीं है.आपको बता दें कि नई सुविधा के तहत अब तक लगभग 3 लाख किसानों की ई-केवाइसी हो चुकी है. सराकर ने टेस्टिंग के लिए 21 मई को 21 मई को मोबाइल ऐप में फेस ऑथेंटिफिकेशन फीचर की पायलट को शुरू किया था.

तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानन्द महाराज के करकमलों द्वारा रेखा ज्वेलर्स का उद्घाटन

पुष्पाजंली टुडे

चेन्नई ।दिनांक 26जून 2023 सोमवार सुबह 7बजे रेखा ज्वलेरी एण्ड पॉन ब्रोकर तिरुमालपुर का ओपनिंग कार्यक्रम का आयोजित किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय उधोग व्यापार मंडल के वरिष्ठ राष्टीय महामंत्री ऐवम तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द के करकमलों दुवारा फिता काट कर शुभारम्भ किया गयाद्य इस कार्यक्रम में तामीलनाडु व्यापारी सघंठन के प्रदेश सहसचिव टि. पारसमल चोयल सघंठन के काञ्जीपुरम जिला प्रभारी हनूमान सीरवी रेखा ज्वलेरी एण्ड पॉन ब्रोकर के प्रमुख प्रकाश चन्द्र ,धन्नाराम सीरवी वह बड़ी सख्या मे गणमान्य लोग मौजूद थे। इस कार्यक्रम मे स्वामी तेजानन्द का भव्य स्वागत किया गया।

नशा मुक्त समाज बनाने में आगे रहेंगे केंद्रीय विद्यालय के बच्चे-डिप्टी कमिश्नर

भोपाल/विदिशा। केंद्रीय विद्यालय के बच्चे अपनी शिक्षा की उत्कृष्ट नीतियों के साथ संस्कारों के बलबूते पर नशामुक्ति अभियान में भी अग्रणी रहकर समाज को नशामुक्त बनाने में भागीदारी निभाएंगे। यह बात केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल रीजन के डिप्टी कमिश्नर आर सेंदिल कुमार ने सोमवार को विदिशा में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर सामाजिक संस्था अजंता ललित कला एवम समाज कल्याण समिति द्वारा केंद्रीय विद्यालय में आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत आयोजित शिविर और प्रदर्शनी में कही। उन्होंने ने कहा कि बच्चे नशा मुक्त समाज बनाने के संदेश के सच्चे संवाहक होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्कूल के बच्चों को नशे के भयावह परिणामों से अवगत कराना अत्यंत आवश्यक हो गया हे। मादक पदार्थों के उपयोग और तस्करी से समाज को बहुत नुकसान होता है। इसे रोकने के लिए समाज के हर वर्ग को जिम्मेदारी के साथ आगे आना होगा। इस अवसर पर सामाजिक संस्था अजंता ललित कला एवं समाज कल्याण समिति ,और परिवर्तन नशा मुक्ति केंद्र द्वारा सामाजिक न्याय एवम दिव्य जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संयुक्त

रूप से केंद्रीय विद्यालय के बच्चों को नशा मुक्त समाज बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। सामाजिक न्याय विभाग के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी महेश कुशवाह ने बच्चों को खाली समय होने पर नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान के वालिंटियर के रूप में कार्य करने की प्रेरणा दी। केंद्रीय विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य प्रभा गुप्ता ने कहा कि स्कूली बच्चों ने नशा मुक्ति के प्रेरक चित्रों का अत्यंत गहनता से अवलोकन किया जिसकी छवि लंबे समय तक उनके मन में रहेगी। नशे के दुष्प्रभाव को दर्शाने वाले चित्रों से बच्चे खुद ही

अवगत हुए हैं, अब वे दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।इस अवसर पर अजंता ललित कला की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा शर्मा ने कहा कि जिले के शिक्षण संस्थानों में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान निरंतर चलाने की आवश्यकता है। ताकि छात्र छात्राओं को नशे के भयावह परिणामों की व्यापक जानकारी मिले। आज के बच्चे कम उम्र में ही नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। जिससे भारत का भविष्य खतरे में है। आज के बच्चे कल के भारत का भविष्य हैं। अतः बच्चो को नशे के चंगुल में ना आने देने के लिए हमें स्कूली समय से व्यापक कदम उठाने होंगे।कार्यक्रम में ,नशा मुक्ति अभियान के मास्टर ट्रेनर वेद प्रकाश शर्मा ने कहा कि समाज में अनेक

बच्चो के अभिभावकों द्वारा नशा करने के कारण उनके बच्चों की शिक्षा और पूरा भविष्य अंधकार में हो जाता है ।बच्चों द्वारा घर में नशे का प्रतिकार करने की आज की बहुत बड़ी आवश्यकता है। साथ ही नशे के कारण होने वाली घरेलू हिंसा, गृह क्लेश आदि से बच्चों का मन मस्तिष्क प्रभावित होता है और वह भी नशे की राह पर चल निकल जाते हैं। हमें यह समझना होगा कि आखिर बच्चा मानसिक रूप से कुंठित कब होता है कब वह नशीली राह को पकड़ लेता है।सामाजिक संस्था अजंता ललित कला द्वारा विश्व नशा निवारण दिवस के संकल्प को पूरा करने के लिए शहर के अनेक चौराहों पर नशा मुक्ति शिविर के माध्यम से लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। शहर के पीतल मिल चौराहा, अहमदपुर चौराहा, ईदगाह चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, बंटी नगर, राजीव नगर मैं नशा मुक्ति प्रचार कर सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई और नशा मुक्ति पेम्पलेट वितरित किए गए।

उदयपुर छात्रावास के लिए आयोजित सम्मेलन कलम्बोली वडेर में सम्पन्न

पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

मुम्बई ।दिनांक 25 जून 2023 रविवार को श्री आई माता वडेर कलम्बोली में झीलों की नगरी उदयपुर में प्रस्तावित छात्रावास के नव निर्माण को नव गति प्रदान करने एवं समाज की होनहार प्रतिभाओ को तराशने के लिए, उनके उज्वल भविष्य के लिए सीरवी छात्रावास, उदयपुर निमित्त सम्मेलन सीरवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष रामलाल सैणचा, गांधीधाम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । सम्मेलन की शुरुआत माँ आईजी के माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित से हुआ। संस्थान अध्यक्ष रामलाल सैणचा ने स्वागत भाषण व सभी से दिल खोलकर छात्रावास में सहयोग की अपील की। सचिव दौलाराम सोलंकी उदयपुर ने छात्रावास के अब तक के सफर व उदयपुर में छात्रावास की आवश्यकता को विस्तार से समाज के सामने रखा तथा उपस्थित समाज बन्धुओं से तन मन धन से सहयोग का आह्वान किया । संस्थान के कोषाध्यक्ष धनाराम गहलोत, बाली ने संस्थान के अब तक के आय व्यय से संबंधित संपूर्ण जानकारी, पिछले दस वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट व छात्रावास निर्माण में हो रही देरी के बारे में सम्पूर्ण जानकारी समाज के सामने पेश की । सम्मेलन में कलम्बोली पनवेल वडेर के कुछ भामाशाहो द्वारा 31 लाख के सेमिनार हाल, बाहर से पधारे भामाशाह बन्धुओ द्वारा छात्र कक्ष, घोषणाएं तथा नये आजीवन सदस्य बनने सहित कुल लगभग 51 लाख की घोषणा हुई सम्मेलन में अखिल भारतीय सीरवी महासभा महाराष्ट्र प्रांत के अध्यक्ष दिनेश सीवास, उल्वे अध्यक्ष चुनीलाल, वालाराम, कांदिवली सचिव तगाराम, कलंबोली महामंत्री किशोर पंवार, संस्थान के उपाध्यक्ष खीवराज

कामोठे अध्यक्ष मोतीलाल, रानी संस्थान के उपाध्यक्ष प्रमोद लच्छेटा, नेरुल अध्यक्ष नारायणलाल, तुर्भे अध्यक्ष मानाराम, अमरनाथ अध्यक्ष अचलाराम, विरार अध्यक्ष विजय, बीबेवाडी पुणे अध्यक्ष हीरालाल, खारघर अध्यक्ष पुने सहित विभिन्न संस्थानो के कमेटी सदस्य व समाज बन्धुओं ने उपस्थिति दर्ज करवाई । सम्मेलन में पधारे बहुत से शिक्षाविद समाज बन्धु वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व, बडे शहरों छात्रावास की महत्ता और ऐसे संस्थानों के नव निर्माण में वडेर निर्माण की तरह उदार मन से योगदान करने का आह्वान किया। सभी ने कहा कि समाज में एक बदलाव की बहार चल पड़ी है और समाज ने वक्त रहते इसे महसूस भी किया तथा समाज के छात्रावास के नव निर्माण की दिशा में सकारात्मक पहल भी हुई है और नए सिरे से हो भी रही है। यह नव पहल समाज को शैक्षिक दृष्टि से उन्नत करने में बड़ी अहम भूमिका अदा करेगी। सम्मेलन में पधारे वन्दनीय महानुभावो को हमारा दिल की असीम गहराइयो सु कोटिशः वन्दन-अभिनंदन। शिक्षण संस्थान के नव निर्माण में अपना अप्रितम योगदान दे रहे सभी अभिनंदन के अधिकारी हो। दोलाराम ने कहा कि आप सभी बधाई के पात्र हो। आपकी श्रेष्ठ सकारात्मक सोच को हमारा बारम्बार वन्दन-अभिनंदन है। सम्पूर्ण महाराष्ट्र के बहुत से वडेरो के अध्यक्ष, कमेटी सदस्य एवं समाज बन्धुओं ने उपस्थिति दर्ज कर शिक्षा पर चर्चा एवं उदयपुर छात्रावास के नव निर्माण हेतु रखी गयी मीटिंग को सफल बनाया । और समाज की युवा प्रतिभावों के उज्वल भविष्य के नव निर्माण में महत्ती भूमिका निभाई।सम्मेलन का मंच संचालक धनाराम गहलोत बाली व सुरत से पधारे प्रसिद्ध मंच संचालक भाई प्रेम सीरवी नवागुड़ा ने अपने ही अंदाज में समय की महत्ता को समझते हुए शानदार ढंग से संचालन किया ।सम्मेलन में भोजन सहित सभी तरह की व्यवस्था सीरवी समाज कलंबोली की तरफ से रखी गई थी ।

महाकाल महालोक में निर्माण घोटाले को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने प्रधानमंत्री के नाम लिखा पत्र

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
पुष्पांजली टुडे

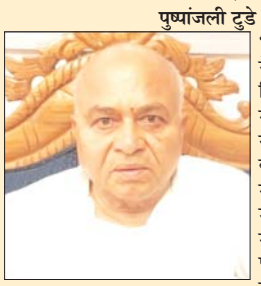

भोपाल । विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में संबोधित करते हुए कहा कि आपके संज्ञान में होगा कि मध्यप्रदेश उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में महालोक में स्थापित सप्त ऋषियों की मूर्तियां मामूली हवा के झोंके में टूट गई एवं मुख्य द्वार का एक हिस्सा गिर गया । डॉ सिंह ने कहा कि जाहिर है,कि महालोक का निर्माण लगभग 800 करोड़ की लागत से हुआ । डॉ सिंह ने कहा कि बताया जा रहा है कि इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है,यह एक बेहद निंदनीय एवं शर्मनाक घोटाला है। उल्लेखनीय है कि उक्त महाकाल परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से ही किया गया है।डॉ सिंह ने कहा कि इस घोटाले के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर कुछ तथ्यात्मक जानकारी देने के लिए मिलने का समय मांगते हुए कहा कि साथ ही उज्जैन में सिंहस्थ हेतु आरक्षित भूमि में जिसमें मध्यप्रदेश के एक मंत्री की भूमि भी आती है को मास्टर प्लान में शामिल कर आवासीय एवं व्यवसायिक कर दी गई है। जबकि इस भूमि में सिंहस्थ के समय साधु-संत को अखाड़े लगते हैं एवं वाहन पार्किंग के लिए उपयोग किया जाता रहा है

सत्यम नीखरा एस के गुरु बने गहोई समाज नवयुवक मंडल के अध्यक्ष

हरिओम चतुर्वेदी।। ब्यूरो

दिनारा गहोई समाज नवयुवक मंडल का चुनाव संपन्न करवाया गया । जिसमें अध्यक्ष, महामंत्री पद के लिए निर्वाचन करवाया गया निर्वाचन अधिकारी के रूप में गहोई समाज अध्यक्ष राजेश अमर,मंत्री रवि कसाव,सुनील अमर एवं चौरासी क्षेत्र से आए अध्यापक सुनील नौगराईया सेमरी,रामेंद्र छिरोल्या,करैरा युवा अध्यक्ष रानू बिलैया उपस्थित रहे ।निर्वाचन के बाद परिणाम घोषित किए गए जिसमें अध्यक्ष के रूप में सत्यम नीखरा एसके गुरु ने विजयश्री प्राप्त की तथा महामंत्री पद पर हनी पहारिया निर्वाचित हुए तथा साहिल सोनी को निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुना गया।इस मौके पर जयजय वकील,रिंकू सुहाने,नरेंद्र अमर,सुनील सेठ,हिमांशु सावला,दीपक सेठ ,ऋतिक सेठ,गोविंद गोलू नीखरा,सोनू सावला,मनोज सुहाने,ऋषुराज सावला,अखिल अमर आदि मौजूद थे

पुलिस थाना फिजीकल द्वारा चोरी के मामले का 12 घंटे मे खुलासा करते हुये चोर को चोरी गये माल के साथ किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-दिनांक 25.06.2023 को फरियादी राजू बाबा पुत्र श्री शिवबालक राजेशवरनंद निवासी छत्तरी रोड परमहंस आश्रम बार्ड न.38 शिवपुरी ने दिनांक 25.06.2023 की दरम्यानी रात में अज्ञात चोरों व्दारा परमहंस आश्रम में घुसकर अलमारी मे रखा एक लाल रंग का कपड़े का बैग 20,000 रूपये जो 500 -500 के 40 नोट रखे थे तथा एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल चोरी होने की रिपोर्ट की थी ।फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना फिजीकल पर अप. क्र. 158 / 23 धारा 457,380 भा.दं.वि. कर विवेचना में लिया गया । घटना को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह द्वारा थाना प्रभारी फिजीकल को चोरी का खुलासा कर चोरी गया माल बरामद करने व आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हेतु आवश्यक निर्देश दिये । अति. पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं एसडीओपी शिवपुरी श्री अजय भार्गव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी फिजीकल द्वारा पुलिस टीम बनाकर आरोपियों की तलास की गई एवं चोरी गये माल की बरामदगी हेतु भरसक प्रयास किये गये, पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया जिसमे पुलिस को सफलता मिली एवं 04 घन्टे के अंदर अज्ञात चोर का पता लगाया गया जिनका नाम सुखदेव पुत्र सुरेश धाकड़ उम्र 19 साल निवासी ग्राम कुदोनियां थाना तेंदुआ शिवपुरी को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से चोरी गया माल मसरूका नगदी 20000 रूपये नगद एवं एक ओप्पो कम्पनी का मोबाइल कुल कीमती 30000 रूपये का बरामद किया गया । पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय पेश किया गया ।

आधार कार्ड में पता अपडेट करवाने के लिए 20 किलोमीटर दूर ग्वालियर एवं गोहद जाने पर मजबूर हैं लोग

पुष्पांजली टूडे मालनपुर संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

आज आधार कार्ड की अनिवार्यता हर जगह पड़ रही है जैसे कि बैंक खाता खोलना हो और मोबाइल नंबर लिंक तक के लिए आधार कार्ड की जरूरत है लेकिन मालनपुर नगर में आधार कार्ड केंद्र की मसीन नहीं होने से स्थानीय निवासियों को 20 किलोमीटर ग्वालियर और गोहद मोबाइल नंबर लिंक करना हो या पता अपडेट के लिए जाना पड़ रहा है जिससे लोगों को परेशानी का सामना उठा रहे है नगर में एक भी आधार केंद्र की मशीन संचालित नहीं है जो मशीन संचालित हो रही थी कुछ दिनों से वही बंद हो गई जब मशीन संचालक मालिक से पूछा तो उसने बताया कि हमारा टेंडर पूरा हो गया बता दें कि अगर कोई आधार कार्ड बनवाने के लिए रह गया वह तो मशीन संचालक ने बताया कि केवल 18 साल की उम्र तक ही आधार बनाए जा रहे हैं उस ऊपर के लोगों को आधार कार्ड बनवाने में बनवाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है नया आधार कार्ड बनवाना हो या फिर पता अपडेट कराना हो इसके लिए मुसीबत झेलनी पड़ रही है आधार कार्ड बनवाने के लिए लोगों को जिस जगह आधार कार्ड बनते थे चक्कर लगाकर मायूस लौट कर आ रहे हैं क्योंकि आधार कार्ड सेंटर बंद हो चुका है जो कि बीएसएनएल लोगों को आधार कार्ड नए बनवाने आया पुराना अपडेट कराना हो उसके लिए ग्वालियर एवं

इसी बिल्डिंग में संचालित होता था आधार कार्ड केंद्र पड़ा है बंद

ऑफिस में खुला हुआ था मालनपुर नगर की लगभग आबादी 18 से 19 हजार है इन सभी गोहद 20 किलोमीटर इस उमस भरी गर्मी में परेशान होनाकर जाना पड़ रहा है

आधार कार्ड की जरूरत-सरकार द्वारा निकाली जा रही योजनाओं में आधार कार्ड अति आवश्यक है जैसे कि लाडली बहना योजना इसमें कई महिलाओं की आधार कार्ड नहीं बने अब तक उन महिलाओं को इस योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा एवं स्कूल में एडमिशन से लेकर बैंक खाता हर जगह आधार कार्ड की जरूरत रहती है आलम यह है कि कई लोगों के आधार कार्ड गुम हो गए हैं उसे निकाल बना हो स्थानीय निवासी राजू सिंह ने बताया कि हमने किसी कारण वश आधार कार्ड नहीं बना पाया अब हमें आधार कार्ड बनवाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है

इनका कहना है
हमें आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है कल ही हम आधार कार्ड केंद्र वाले को बुलाकर उसका निराकर कराते हैं गोहद एस डी एम शुभम शर्मा

विधानसभा शिवपुरी में भाजपा को एक और झटका

राकेश गुप्ता ने भोपाल जाकर कमलनाथ के सामने ली कांग्रेस की सदस्यता

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी में भाजपा को एक और झटका लग हो चुका है 26 जून को सिंधिया समर्थक राकेश गुप्ता ने अपने समर्थकों के साथ भोपाल में पहुंचकर कमलनाथ के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। बता दें सिंधिया के अपने राकेश गुप्ता पहले कट्टर कांग्रेसी भी थे लेकिन वह ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। ओर अब राकेश गुप्ता अपने हजारों से ज्यादा समर्थकों के साथ शिवपुरी से भोपाल पहुच कर कांग्रेस की सदस्यता ले ली हैं राकेश गुप्ता कुछ रोज पहले भाजपा को छोड़ने का कारण बताते हुये का था कि तीन वर्षों में सम्मान न मिलने के अभाव मैने अपने आप को कमजोर महसूस किया। इसी के चलते मैने बापस अपने परिवार में जाने का मन बना लिया। बता दें कि राकेश गुप्ता 26 जून को कांग्रेस जॉइन करने का ऐलान पहले ही कर चुके थे। इससे पहले सिंधिया समर्थक बैजनाथ सिंह यादव भी कुछ रोज पूर्व कांग्रेस का धामन धाम चुके हैंऔर भी नेताओ के आने के बारे मैं बताया क्योंकि आने वाले समय में बहुत ही जल्द और भी नेता भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में शामिल होंगे जिसका कारण भाजपा में कांग्रेसी से शामिल हुए नेताओं को सम्मान ना मिलना बताया जा रहा है उन्होंने बताया कि कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने के बाद भाजपा पार्टी के सदस्यों ने उनके साथ भेदभाव वाली स्थिति को पैदा किया और हर फैसले में मूल भाजपा कार्यकर्ताओं का साथ दिया जिसमें जिससे बहुत से कांग्रेसी नेता खुश हुए और दोबारा से कांग्रेसमें आते जा रहे हैं और आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पहले जितने भी कांग्रेसी भाजपा में शामिल हुए थे उनमें से आधे से ज्यादा दोबारा से कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे अभी तो दौर शुरू हुआ है आगे आना वाला समय बताएगा कौन सच्चा भाजपाई है और कौन सा अच्छा कांग्रेसी

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुध 28 जून को भिण्ड एवं दतिया आएंगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुंध के अपने निर्धारित महा जनसंपर्क अभियान के तहत 28 जून को भिण्ड-दतिया जिले के प्रवास परआएंगे। और अनेक संगठनात्मक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने बताया की राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुध अपने निर्धारित लोकसभा संसदीय क्षेत्र के एक दिवसीय प्रवास पर 28 जून को सुबह 9 बजे झांसी से दतिया पहुंचेंगे। 9:- 30 दतिया के प्रमुख धार्मिक स्थल मां पीतांबरा

माई के दर्शन करेंगे। 10 बजे भोजन, 10:- 30 विकास तीर्थ दर्शन कार्यक्रम के तहत दतिया हवाई पट्टी का अवलोकन करेंगे 11:- 30 दतिया से प्रस्थान बाया सेवड़ा होते हुए मेहगांव पहुंचेंगे। 1 दतिया से प्रस्थान मेहगांव में जनसभा कृषि उपज मंडी प्रांगण में संबोधित करेंगे। 3 विधानसभा क्षेत्र भिंड के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संस्कृति गार्डन मैं संबोधित करेंगेश्री नरवरिया ने बताया कि राष्ट्रीय महामंत्री चुध 4:- 30 शहर के महा जनसंपर्क अभियान हॉस्पिटल के सामने शामिल होंगे और जनता दुकानदारों और व्यापारियों से संपर्क करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का साहित्य वितरण करते हुए जनता से पार्टी के लिए समर्थन मागेंगे।श्री नरवरिया ने बताया की राष्ट्रीय महामंत्री 5:- 30 शहर के वरिष्ठ चिकित्सक मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य डॉक्टर गुलाब सिंह किरार के निवास स्थान झांसी मोहल्ला में पहुंचेंगे वहां भोजन करेंगे। शाम 6 बजे संपर्क से समर्थन कार्यक्रम के तहत डॉक्टर गुलाब सिंह के निवास पर शामिल होंगे।

अपराधियों के खिलाफ भिण्ड पुलिस का नाईट कॉम्बिंग गश्त

अपराधियों / गुण्डों बदमाशों के विरूद्ध की गई ताबड़तोड़ कार्यवाही

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के नेतृत्व में भिण्ड जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों द्वारा थाने के बल के साथ दिनांक 24 - 25 जून 2023 की दरम्यानी रात कॉम्बिंग गश्त का अभियान चलाया गया, जिसमें रात्रि के समय होने वाले अपराधों की रोकथाम, फरार आरोपियों को पकड़ने अपराधियों में भय पैदा करनें रात्रि के समय वाहनों द्वारा अवैध शराब, अवैध हथियार परिवहन अन्य अवैधानिक गतिविधियों की रोकथाम एवं जनसामान्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 201 अधिकारी / कर्मचारियों की कुल 33 टीमें बनाकर ताबडतोड कार्यवाही की गई।उक्त गश्त के दौरान निम्नानुसार

कार्यवाही की गई । स्थाई वारंट तामील 31 ,गिरफ्तारी वारंट तामील 69 ,फरार गिरफ्तार आरोपियों (299 जा. फौ.) की संख्या 03 ,ईनामी अपराधी गिरफ्तार 03 ,अन्य अपराधों में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या:- 06 , हिस्ट्रीशीटर चेक किए गए 91 ,पूर्व जिला बदर चैक- 17 ,गुंडा चैक 100 ,एटीएम चैक:- 77, वाहन चैकिंग:- 196 ,जुआ (आरोपी 4, नगदी 1100 रु):- 01, आबकारी प्रकरण 05 (21.65 ली. शराब जब्त की गई) । 8 भैस चोरी कर ले जा रहे आरोपी भैस छोड़कर भागे उक्त कार्यवाही में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने बल के साथ उपस्थित होकर सराहनीय कार्यवाही की गयी।

एनएसयूआई ने राज्यपाल के नाम प्राचार्य को सौपा ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष अजय दुबे एवं छात्र नेता आयुष मिश्रा के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति एवं स्टेशनरी मैं घपला को लेकर एवं छात्रों की तमाम मांगों को लेकर भिंड एमजेएस महाविद्यालय के प्राचार्य को राज्यपाल एवं कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया एवं 5 दिन का समय दिया कि 5 दिन में छात्रों की समस्याएं पूरी नहीं होती हैं,छात्र नेता आयुष मिश्रा ने कहा कि एनएसयूआई के तमाम साथियों के साथ कॉलेज की तालाबंदी करेंगे जिसमें एनएसयूआई की सैकड़ों साथी शामिल होंगे।

भिंड ग्वालियर हाईवे की मांग को लेकर समाज सेवियों ने सौपा ज्ञापन पत्र

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । ग्वालियर भिंड हाईवे सिक्स लेन निर्माण को लेकर आज समाज सेवी जनों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर की अनुपस्थिति में डिप्टी कलेक्टर महेंद्र कुमार गुप्ता को ज्ञापन सोपा,प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाज सेवी सुनील फौजी ने बताया की सरकार को मानवीय संवेदना दिखाना चाहिए,भिंड ग्वालियर हाईवे पर रोजाना हो रहे हादसों में भिंड के हजारों नौजवान अकाल मृत्यु के शिकार हुए हैं हजारों लोग दिव्यांग हुए है,पर सरकार का इस और ध्यान नहीं है,माननीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने ग्वालियर मेला ग्राउंड की रैली में बोला था की फोर लेन बनाएंगे पर लगता है वो गांव बचा हो जहां के लड़के इस हाईवे पर खत्म नहीं हुए हो

घोषणा भी झूठी साबित हो रही है,भिंड जिले का शायद ही कोई ,सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए और बहुत जल्दी सिक्स लेन बनाने का काम करना चाहिए,अन्यथा आगे आने वाले चुनाव में सरकार को भिंड ग्वालियर में चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है हम सभी की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो बहुत जल्द भिंड के सैकड़ो गांवों में एक साथ अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेंगे । ज्ञापन देने वालों में जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर फौजी,हिरेंद्र प्रताप सिंह पुर,रमेश बाबू चौधरी राजीव दीक्षित,हरेंद्र सिंह सरपंच बिछौली,रिंकू फौजी पिडौरा,मनोज वर्मा,जल सिंह लोधी चकरपुरा, हीरालाल वर्मा ,बिल्लू यादव नाली पूरा,बंटी नरवरिया रमपुरा आदि समाज सेवी शमिल रहे।

शहर कांग्रेस ने मरीजों को फल वितरित कर सुभाष यादव की पुण्यतिथि मनाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । शहर कांग्रेस ने पूर्व उप मुख्यमंत्री किसान नेता स्वर्गीय सुभाष यादव की पुण्यतिथि पर अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा के नेतृत्व में मरीजों को फल वितरित किये एवं उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर बोलते हुए शहर अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा ने कहा कि श्री यादव को देश के सर्वश्रेष्ठ

सहकारिता पुरुष और सहकारिता में उल्लेखनीय सम्मान भी शामिल है।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ राधेश्याम शर्मा,संतोष त्रिपाठी, जगदीश शर्मा प्रमोद दीक्षित पीसी संजय यादव, गोलू जैन,अतुल जैन, सूरजपाल सिंह राजावत, गयाराम शाक्य,नीलू यादव,शिवचरण विथरिया आकाश पांडे ,रेनू बघेल आदि उपस्थित थे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री यादव की पुण्यतिथि निराशितों और गरीब बच्चों के बीच मनाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कांग्रेस द्वारा जिला उपाध्यक्ष मनोज दैपुरिया के नेतृत्व में सोमवार को मप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सहकारिता के पुरोधा सुभाष यादव की पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान उपस्थित कांग्रेसियों ने पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके जीवन पर प्रकाश डाला।कांग्रेस नेता श्री दैपुरिया ने उन्हें याद करते हुए कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुभाष यादव ऐसे दूरदर्शी सोच वाले राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने जमीनी स्तर पर संघर्ष करते हुए सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा प्रदान की।इस दौरान कांग्रिसियों ने बायपास रोड

स्थित निराशित भवन और गरीब बस्ती में पहुंचकर बुजुर्गो और बच्चों को मिठाई और फल वितरण कर सेवाभाव से उनको नमन किया।

कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष प्रदीप जैन गुड्डा,महिला अध्यक्ष रेखा भदौरिया, वीरेंद्र यादव,अशोक जैन,थानसिंह यादव,मेहगांव विधानसभा के नेता ब्रजेंद्र सिंह कल्लू,सचिन दुवेदी,भिण्ड के युवा नेता राहुल कुशवाह,प्रमोद दीक्षित पीसी,दिनेश भदौरिया,धर्मेंद्र चौबे,राम नरेश यादव, कृष्णा कुशवाह ,विवेक दैपुरिया आदि उपस्थित रहे।

एक शाम दिव्यांग व अनाथ छात्रों के नाम भजन संध्या का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

मैसूरु. एक शाम अनाथ एवं दिव्यांग छात्रों के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन महंत चेतनगिरी व संत पुखराज के सान्निध्य में केआरएस मार्ग पर स्थित आईमाता मंदिर परिसर में रविवार रात को किया गया द्य सर्व प्रथम आईमाता की तस्वीर के समक्ष ज्योत प्रज्वलित कर बाल भजन कलाकार सुनिल बागोरिया ने गणेश वंदना की प्रस्तुति देकर धर्मसभा का शुभारंभ किया द्य एक से बढ़कर एक राजस्थानी लोक भजन गा कर धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर जम कर नाचने पर मजबूर किया द्य भजनो का दौरा देर रात तक चलता रहा द्य सत्य प्रेम करुणा सेवा संस्थान,जोधपुर के लिए कमरो के नव निर्माण के लाभार्थी बेंगलुरु से आये भामाशाह महेन्द्र सिंह राजपुरोहित (पिंटु), सुरेश सेणचा, पर्यावरण जागृति वैदिके, बनूर के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह कालप्पा, राजेश सिंह,विराजपेट के भगवान सिंह का साफा पहनाकर शाल द्वारा सम्मान कर स्मृति चिह्न के रूप में राधा-कृष्ण की तस्वीर भेंट की गई द्य धर्म सभा में उपस्थित लोगों ने संस्थान विकास व कक्ष निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग दिया द्य भजन संध्या के आयोजक भेराराम, मदनलाल, ताराराम, पारसमल हाम्बड़ रहे द्य इस अवसर पर पृथ्वी सिंह चांदावत, शिवराम मइया, प्रकाश ढाका, हिराराम पौण, बगदाराम मावर,चिरंजीलाल सेंगर,राजूराम केगेरी , हिरालाल कृणापुरम सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संघ समाज के पदाधिकारी,सदस्य व श्रद्धालु उपस्थित रहे द्य मंच संचालन हुकमाराम भाटी ने किया

एसपी द्वारा साहसी महिला को किया गया सम्मानित

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । थाना सिटी कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत ऑटो एवं यात्री वाहनों में बैठकर महिलाओं के पर्स और सूटकेश से नगदी,जेवरात चोरी करने वाली महिला गैंग की दो सदस्यों को भिण्ड पुलिस ने एक साहसी महिला की सर्तकता से गिरफ्तार कर चोरी हुये रुपये व गहनें सहित 3 लाख का मसरुका बरामद किया है।ऑटो मे बैठी ऑटो चालक की पत्नि ज्योति को फूप से बैठी एक महिला पर ऑटो मे सफर कर रही एक बृद्ध महिला के पर्स से चोरी करने का शक हुआ तो उसनें अपना मोबाईल चालू करके वीडियों बना लिया ऑटो जैसे ही भिण्ड थाना सिटी

कोतवाली के सामने रुका तो ज्योति ने बृद्ध महिला से उसका सामान चैक करने को कहा बृद्ध महिला बिटोली शर्मा ने अपना पर्स चैक किया तो गहने व नगदी गायब थे तब ऑटो चालक विकास की पत्नि ज्योति ने पुलिस को बुलाकर उक्त चोर महिला को पकड़वाया इस बीच मौका पाकर चोर गैंग की एक सदस्य वहाँ से निकल गयी जिसें थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा ढूंढकर पकडा गया तथा चोरी गया मसरुका दोनो महिलाओं से जप्त किया गया।पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा साहसी महिला ज्योति नागर व ऑटो चालक विकास नागर को बहादुरी व ईमानदारी के लिये प्रशस्ति पत्र,शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे ने भी साहसी कार्य करने पर प्रशंसा की इस दौरान शहर कोतवाली निरीक्षक शिवसिंह यादव मौजूद रहे।

राहत एवं आपदा प्रबंधन पर जिला स्तरीय वॉलंटियर प्रशिक्षण आयोजित

एएसपी कमलेश कुमार खरपुसे ने वॉलंटियरो को दी टी शर्ट

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस कन्ट्रोल रूम भिण्ड में बाद राहत / आपदा प्रबंधन पर जिला स्तरीय वॉलंटियर प्रशिक्षण का आयोजन पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न थानों से आये पुलिस कर्मचारी, ग्राम एवं नगर रक्षा समिति के सदस्य तथा अन्य स्वयंसेवी वॉलंटियर्स ने बाढ़ आपदा में वॉलंटियर्स के रूप में कार्य करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के मुख्यवक्ता के रूप में चौधरी दिलीप सिंह कन्या महाविद्यालय के प्रोफेसर इकबाल अली द्वारा बाढ़ राहत / आपदा प्रबंधन के पूर्व पानी पर तैरने वाली जरूरी वस्तुओं का संकलन, बाढ़ के समय पशुधन को बंधन से मुक्त कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने एवं पुलिस तथा राजस्व विभाग से प्राप्त अधिकृत सूचनाओं के संदर्भ में सम्पर्क कार्य संपादन करते हुए बाढ आपदा प्रबंधन में वॉलंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उदय सिंह सिकरवार एसडीएम भिण्ड द्वारा बाढ़ आपदा में तथा सामान्य दिनों में भी नदियों एवं तालाबों में होने वाली हादसों में गोताखोर एवं तैराकों तथा अन्य स्वयंसेवकों की भूमिका प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमलेश कुमार खरपुसे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिण्ड द्वारा जिले में बाढ आपदा के पूर्व अनुभवों के आधार पर वॉलंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका एवं उनकी स्थानीय जानकारी के उपयोग को रेखांकित करते हुए बाढ़ आपदा के पूर्व दौरान एवं बाद में राहत तथा बचाव कार्यों में प्रशिक्षित वॉलंटियर्स द्वारा बाढ़ के दौरान लोगों में सही

सूचना पहुंचाने, संभावित एवं पूर्व के प्रभावित क्षेत्रों में ऊँचे स्थानों भवनों का चयन, सूखे राशन की व्यवस्था, पीने के पानी का संरक्षण एवं उपाय, बिजली के करंट को जलभराव वाले क्षेत्रों से कट करना, अपने जरूरी सामान जैसे नगदी, जेवरात एवं महत्वपूर्ण कागजों को सुरक्षित करने संबंधी टिप्स दिये।

विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा बाढ हटने एवं पानी उतरने के बाद फैलने वाली बीमारियों एवं अन्य सम्भावित खतरों के उपचार एवं निदान का भी उल्लेख किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों के साथ बाढ़ आपदा वॉलंटियर्स के व्हाट्सअप ग्रुप बनाने, राहत एवं बचाव क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने वाले वॉलंटियर्स को समय-समय पर शासन एवं प्रशासन से प्रमाण पत्र प्रदान करने की बात भी कही गई।इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय म.प्र., नारकोटिक्स शाखा भोपाल के तत्वावधान में दिनांक 12 जून से 26 जून 2023 तक संचालित नशा मुक्त पखवाडा एवं नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान के तहत, संवाद कर उपस्थित वॉलंटियर्स के साथ नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में अतिथिगण द्वारा वॉलंटियर्स को आपदा प्रहरी की टी-शर्ट एवं स्वल्पाहार वितरण के साथ रक्षित निरीक्षक अरविंद सिंह सिकरवार द्वारा अतिथि वक्ताओं एवं अन्य सभी का सेमीनार में पधारने हेतु आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में लगभग 70 स्वयंसेवी वॉलंटियर्स के साथ सूबेदार अखिलेश शर्मा,सूबेदार इन्द्रपाल सिंह राठौर एवं कंट्रोल रूम प्रभारी उपनिरीक्षक बृजेन्द्र सिंह तोमर एवं अन्य पुलिस अधिकारी / कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आरक्षक रामकुमार पाण्डेय के द्वारा किया गया।

सम्पादक की कलम से

समान संहिता का प्रश्न

निस्संदेह, भारत विविधताओं का देश है। विश्वास, संस्कृति व परंपराओं की विविधता उसके मूल में रही है। गाहे-बगाहे देश में समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठता रहा है। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी जमकर होती रही है। भाजपा के एजेंडे में शामिल मुद्दे को कांग्रेस समेत कई दल ध्रुवीकरण की कोशिशों के रूप में देखते रहे हैं। विधि आयोग की हालिया पहल ने इस मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया है। आयोग ने देश के हर नागरिक को इस बाबत अपने विचार प्रस्तुत करने का अधिकार दिया है। उल्लेखनीय है कि भारत का संविधान तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान भी समान नागरिक संहिता का मुद्दा खासी चर्चा में रहा था। तब भरोसा जताया गया था कि इस लोकतांत्रिक देश में कालांतर में समान नागरिक संहिता लागू करने को मूर्त रूप देने का अवसर आएगा। दरअसल, तब संविधान सभा के कई दिग्गज इसके पक्ष में थे, लेकिन भारतीय समाज की जटिलता और तत्कालीन संवेदनशील स्थिति के चलते इस पर निर्णायक फैसला नहीं हो सका था। बाद में स्वतंत्र भारत में कई बार संसद व विधानसभाओं में इस मुद्दे पर खूब चर्चा होती रही। अब इसी कड़ी में व्यापक आधार रखने वाले धार्मिक संगठनों की इस मुद्दे पर राय मांगी गई है। दरअसल, इस जटिल विषय पर समान संहिता बनाना ही अंतिम हल नहीं है, उसका क्रियान्यवन भी उतना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अलग-अलग धार्मिक समूहों को साथ लेकर आगे बढ़ना आसान भी नहीं होगा। फिर अगले साल होने वाले आम चुनाव व इस साल के अंत तक कई महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस मामले के सरगर्म रहने के आसार हैं। दरअसल, सवाल विधि आयोग द्वारा इस जटिल मुद्दे पर सार्वजनिक विमर्श को लेकर सिर्फ तीस दिन के समय को लेकर भी है। कुछ लोगों का मानना है कि सारे देश में व्यापक विमर्श के बाद ही इस संवेदनशील मुद्दे पर आगे बात की जानी चाहिए। वैसे विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल इस मुद्दे को ध्रुवीकरण के हथियार के रूप में प्रयोग कर सकता है। इस कयास की एक वजह यह है कि भाजपा के दो प्रमुख एजेंडे- राम मंदिर व अनुच्छेद 370 को हटाने के लक्ष्य हासिल किये जा चुके हैं। वहीं देश में यह बहस पुरानी है कि व्यक्तिगत कानून में व्याप्त विसंगतियों को दूर करके एक देश, एक कानून की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जाये। लेकिन धार्मिक रूढ़ियों व राजनीतिक कारणों से ये लक्ष्य पाने संभव न हुए। वैसे किसी भी सभ्य समाज व लोकतांत्रिक देश में सभी नागरिकों के लिये समान कानून के प्रावधान एक आदर्श स्थिति होती है। लेकिन भारतीय समाज की कई तरह की जटिलताएं इसके मार्ग में बाधक बनी रही हैं। निस्संदेह, देश की एकता व सद्भाव का वातावरण भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी सभ्य समाज में कानून का निर्धारण धार्मिक आधार के बजाय तार्किक व समय की जरूरत के हिसाब से ही होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि समाज में बहुमत व अल्पमतों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।

आदिपुरुष काण्ड और भक्ति का ढोल

हनुमान सचमुच की मुश्किल में हैं। इनका पूरा गिरोह न जाने हनुमान जी के पीछे हाथ पांव धोकर क्यों पड़ा है ? पहले उनके नाम पर एक गुंडा गिरोह बनाया, उसके बाद उनकी निर्मल छवि को भयानक डरावनी पहचान देकर हिंदुत्व की आई डी बनाई। इतने पर भी संतोष नहीं हुआ तो अभी कुनबे के ब्रह्मा जी ने इन्हें कर्नाटक की सारी सीटों से चुनाव ही लड़वा मारा। बजरंग दल को ही बजरंग बली साबित करते हुए मोदी स्वयं जय बजरंग बली के नारे से अपनी सभा शुरू करते थे और मतदाताओं से बटन दबाने से पहले बजरंग बली का नाम सुमिरन करने को भी कहते थे। पिछले शुक्रवार 16 जून को रिलीज हुई 600 करोड़ की फिल्म %आदि पुरुष% के टपोरी संवादों पर हिंदी भाषी भारत में हुई चर्चा, उन पर आई प्रतिक्रियाओं के दो आयाम हैं। एक आयाम आश्वस्ति देता है और वह यह कि अभी, बावजूद सब कुछ के, भाषा के प्रति संवेदनशीलता और विवेक बचा हुआ है। आम हिन्दुस्तानी, एक सीमा से ज्यादा भाषाई छिछोरापन सहन करने की स्थिति में कमसेकम अभी तक तो नहीं पहुंचे हैं। यह अच्छी बात है - उम्मीद जगाने वाली बात है। दूसरा आयाम है इसका संवाद लेखक तक सीमित रह जाना। इस विमर्श का व्यक्ति केंद्रित हो जाना इसलिए उचित नहीं है क्योंकि ऐसा करना रोग और विकार के सही निदान करना नहीं है। जब बीमारी और उसका अकारण ही पता नहीं चलेगा तो स्वाभाविक ही उपचार में भी मुश्किल जायेगी। इस लिहाज से इस प्रसंग को थोड़ा सतह से नीचे खंगालकर देखने की आवश्यकता है। यह हल्कापन सिर्फ मनोज मुन्तशिर से %गर्व से कहो हम शुक्ला हैं% हुए संवाद लेखक की कारस्तानी भर नहीं हैं। उनसे भी यह अनजाने में, अनचाहे नहीं हुआ, इसे तो खुद शुकुल जी स्वीकार कर चुके हैं। इस विधा में अपने से भी बड़े वाले अर्नब गोस्वामी से उसके टीवी पर हुई हुई सार्वजनिक बात चीत में उन्होंने कबूला कि %हां, बिलकुल। ये कोई भूल नहीं है। बहुत सोच-समझकर बजरंग बली के डायलॉग लिखे गए हैं। हमने जानबूझकर संवाद सरल किए हैं। क्योंकि फिल्म के सभी किरदार एक ही तरह की भाषा नहीं बोल सकते। इनमें विविधता होनी चाहिए। वे यही तक नहीं रुके - उन्होंने डेढ़ दो हजार साल की रामायण वाचक पाठन परम्परा को भी अपने स्तर के अनुरूप नीचे दर्जे पर लाकर खड़ा कर दिया और दावा किया कि %हम सब रामायण को कैसे जानते हैं? हमारे यहां कथा-वाचन की परम्परा है। एक तो पढ़ने की परम्परा है और दूसरी वाचन की। मैं एक छोटे से गांव से आया हूं। हमारे यहां दादियां-नानियां जब रामायण की कथा सुनाती थीं, तो ऐसी ही भाषा में सुनाती थीं। जिस डायलॉग का आपने जिक्र किया, इस देश के बड़े-बड़े कथावाचक और संत ऐसे ही बोलते हैं। मैं पहला शख्स नहीं हूं, जिसने ये डायलॉग लिखा है। वे किन संतों और प्रवचनकर्ताओं का जिक्र कर रहे हैं इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया/अपनी विद्रूप अश्लीलता के लिए उन्होंने उन दादियों-नानियों को भी लपेटे में ले लिया जिनका काम भाषा बिगाड़ने का नहीं बोल और वर्तनी सुधारने का होता था, होता है। फिर बंदे ने यह कला कहां से सीखी होगी ? बहरहाल, लोग शुकुल जी के लिए नहीं बल्कि इसलिए परेशान हैं कि इनने अपने बोल बिगाड़े सो बिगाड़े बजरंगबली हनुमान के भी बिगाड़ दिए। हनुमान सचमुच की मुश्किल में हैं। इनका पूरा गिरोह न जाने हनुमान जी के पीछे हाथ पांव धोकर क्यों पड़ा है ? पहले उनके नाम पर एक गुंडा गिरोह बनाया, उसके बाद उनकी निर्मल छवि को भयानक डरावनी पहचान देकर हिंदुत्व की आई डी बनाई। इतने पर भी संतोष नहीं हुआ तो अभी कुनबे के ब्रह्मा जी ने इन्हें कर्नाटक की सारी सीटों से चुनाव ही लड़वा मारा। बजरंग दल को ही बजरंग बली साबित करते हुए मोदी स्वयं जय बजरंग बली के नारे से अपनी सभा शुरू करते थे और मतदाताओं से बटन दबाने से पहले बजरंग बली का नाम सुमिरन करने को भी कहते थे। यह बात अलग है कि कन्नड़ भाषी रामायण हम्पी के पास की जिस जगह, अन्जनाद्री को हनुमान की जन्मस्थली बताती है उस सहित जिले और करीब की छह में से पांच सीटों पर भाजपा की करारी हार हुई, एक भी बमुश्किल हजार वोट के अंतर से जीती। इसके पहले यह पूरा कुनबा हनुमान की अपनी अपनी जन्मपत्री लिए अपने अपने हिसाब से उनकी जाति बताने में लगा रहा। राजस्थान के भाजपा विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने हनुमानजी को घोटा वाला सांड बताया, भाजपा नेता केंद्रीय मंत्री सत्यपाल चौधरी ने कहा कि हनुमानजी आर्य थे। इधर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रहस्योद्घाटन किया कि हनुमान जी दलित थे तो उधर मप्र-छग दोनों में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रहे नंदकुमार साय ने हनुमानजी को आदिवासी बताया। भाजपा नेता व मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने पक्की जानकारी दी कि हनुमानजी जाट थे, भाजपा सांसद हरिओम पांडे कुनबे के हिसाब से ज्यादा पॉलिटिकली करेक्ट खोज करके लाए और हनुमान जी को ब्राह्मण बताने के साथ साथ जटायु को मुसलमान बता मारा। इसी बीच भाजपा एमएलसी बुक्कल नवाब की प्रज्ञा एक बार पुन- जागृत हुई और उन्होंने फरमाया कि हनुमानजी मुसलमान थे। लाला रामदेव ने योग साधना शोध के बाद विश्व को बताया कि हनुमान जी क्षत्रिय थे। भाजपा के राज्यसभा सांसद गोपाल नारायण ने योगी आदित्यनाथ की बात काटते हुए हनुमानजी को दलित से भी नीचे बंदर बताया। अब जब हनुमान की लूट है लूट सके तो लूट चल ही रही थी तब जैन मतावलंबी भी कैसे पीछे रहते ; आचार्य निर्भय सागर जी ने बताया कि हनुमान जी और कुछ नहीं बल्कि जैन थे, हालांकि विवाद इसके बाद भी शेष रहा कि वे दिगंबर थे या श्वेताम्बर या अर्ध दिगंबर अर्ध लालाम्बर। यह वर्ष 2018 तक की भाजपा-खोजित हनुमान जाति चरितावली है। गुजरे 5 वर्षों में इन भाजपाई दावों में वे गुर्जर, यादव और कायस्थ भी हो गए और बालि कुर्मी बना दिए गए !! बहरहाल जो भी बनाया - टपोरी बनाने की हिम्मत हिमाकत किसी ने नहीं की ; इसके लिए शुकुल जी को ही अवतरित होना पड़ा। मनोज मुन्ताशिर शुक्ला का कहना है कि उन्होंने हनुमान से जो भी कहलवाया है वह %आज कल के समाज की आम बोलचाल की भाषा है !% उन्होंने तर्क-तूणीर से अमोघ ब्रह्मास्त्र छोड़ते हुए कहा कि %पिछली रामायण 80 के दशक की भाषा में थी, 2023 में भाषा बदल चुकी है। अब सवाल यह है कि वे समाज और 2023 की आम बोलचाल की किसे मानते हैं ? वे दरअसल अपने समाज - कुनबे - की बात कर रहे हैं। उस कुनबे की बात कर रहे हैं जिसके सर्वोच्च नेता नरेन्द्र मोदी एक असामयिक और दुःखद मृत्यु की शिकार स्त्री के लिए %50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड% और एक गंभीर राजनीतिक हमले वाले हादसे में शहीद हुए पूर्व प्रधानमंत्री की जीवन संगिनी और एक बड़ी राजनीतिक पार्टी की प्रमुख एक महिला के लिए %कांग्रेस की विधवा% जैसे घृणित जुमले इस्तेमाल करते हैं। एक जमाने में इन्ही की पार्टी के शीर्षस्थ जुगाड़ू प्रमोद महाजन उन्हें मोनिका लेविंस्की कह देते हैं।

राजनीति ठीक है पर ऐसा पक्षपात न हो

डबल इंजन का जुमला तो इसी भाजपा और मोदी-शाह की जोड़ी का आविष्कार है (वैसे सुपरफास्ट गाड़ियों में डबल इंजन लालू राज में लगा)। और यह जुमला आज हर विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल होता है-उन राज्यों में भी जहां भाजपा की सरकारें मोदी राज की पूरी अवधि में रही हैं। जाहिर है जहां भाजपा या एनडीए का शासन नहीं है उनको केंद्र की तरफ से गैर बराबरी और भेदभाव का व्यवहार मिलने की धमकी भी दी जाती है। इतिहास की कहानियों को दोहराने का बहुत मतलब नहीं है क्योंकि नई स्थितियां नए रेस्पान्स की मांग करती हैं। जब पंडित नेहरू द्वारा चुनाव प्रचार में सरकारी विमान के इस्तेमाल का मुद्दा उठा करता था तब किसी ने यह थोड़े ही सोचा था कि हमारे एक प्रधानमंत्री की उनके घर में ही हत्या हो जाएगी और एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री की चुनाव प्रचार के दौरान हत्या कर दी जाएगी। वैसे इंदिरा गांधी के समय से ही सेना के विमान का इस्तेमाल और पार्टी द्वारा उसका भाड़ा देने का चलन शुरू हुआ था। आज की स्थिति उससे काफी आगे है और कहना न होगा कि आज खतरा और ज्यादा माना जाता है। लेकिन चुनाव में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा या केन्द्रीय मंत्रियों द्वारा किसी और बहाने सरकारी विमानों की सेवा लेने वाला मसला भर नहीं है। आज तो चुनावी वायदे, लोक लुभावन कार्यक्रम, कथित विकास योजनाओं की पक्षपाती सौगात और अब सबसे बढ़ाकर लाभार्थी जमात पर सरकारी धन लुटाने समेत काफी सारे ऐसे मामले सामने आते जा रहे हैं जो पहले के चुनाव और नेताओं को खुद ब खुद बहुत पाक साफ बताते हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि प्रधानमंत्री समेत सभी प्रमुख नेता इस खर्च का रोना रोते भी हैं और होड़ को आगे भी बढ़ाते जा रहे हैं। डबल इंजन का जुमला तो इसी भाजपा और मोदी-शाह की जोड़ी का आविष्कार है (वैसे सुपरफास्ट गाड़ियों में डबल इंजन लालू राज में लगा)। और यह जुमला आज हर विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल होता है-उन राज्यों में भी जहां भाजपा की सरकारें मोदी राज की पूरी अवधि में रही हैं। जाहिर है जहां भाजपा या एनडीए का शासन नहीं है उनको केंद्र की तरफ से गैर बराबरी और भेदभाव का व्यवहार मिलने की धमकी भी दी जाती है और इधर तो डबल इंजन के बाद ट्रिपल इंजन का नाम भी लिया जाने लगा है। इस बात पर मोदी जी की तरफ से भी किसी तरह की नाराजगी की खबर नहीं है कि स्थानीय निकाय या पंचायत चुनाव में उनका नाम और उनकी सरकार के इकबाल को क्यों दांव पर लगाया जा रहा है न नाम इस्तेमाल करने वालों को इस बात का कोई लिहाज है। कई राज्यों की यह शिकायत भी रही है कि केंद्र उनके साथ सौतेला व्यवहार करता है। आंकड़े और सबूत भी पेश किए जाते हैं। पर यह याद करना अप्रासंगिक नहीं है कि यह शिकायत डबल इंजन का जुमला प्रचलित होने के पहले से है और इस पक्षपात को दूर करने के लिए सरकारिया आयोग समेत अनेक आयोग भी बन चुके हैं। पहले ज्यादा शिकायत केंद्र द्वारा राजनैतिक धौंस दिखाने और अनुचित दखल देने के ही होते थे, संसाधनों के बंटवारे में भेदभाव के कम। भाई अरविन्द केजरीवाल से पूछेंगे तो वे शिकायतों का अंबार लगा देंगे-राजनैतिक, प्रशासनिक दखल के साथ आर्थिक भेदभाव के भी। यह अलग बात है कि राजस्व के मामले में अव्वल दिल्ली में केजरीवाल सरकार को अपनी योजनाओं पर अमल के लिए कभी धन की कमी नहीं हुई। उलटे उन पर ही शराब की नदियां बहाकर धन जुटाने और अपने प्रचार पर बेइंतहा धन खर्च करने के आरोप रहे हैं।

पेज-5

बिग बॉस ओटीटी 2 में नए ट्विस्ट के साथ आएंगी रकुल प्रीत सिंह

अमेरिकी दबाव में होंगे बांग्लादेश के चुनाव

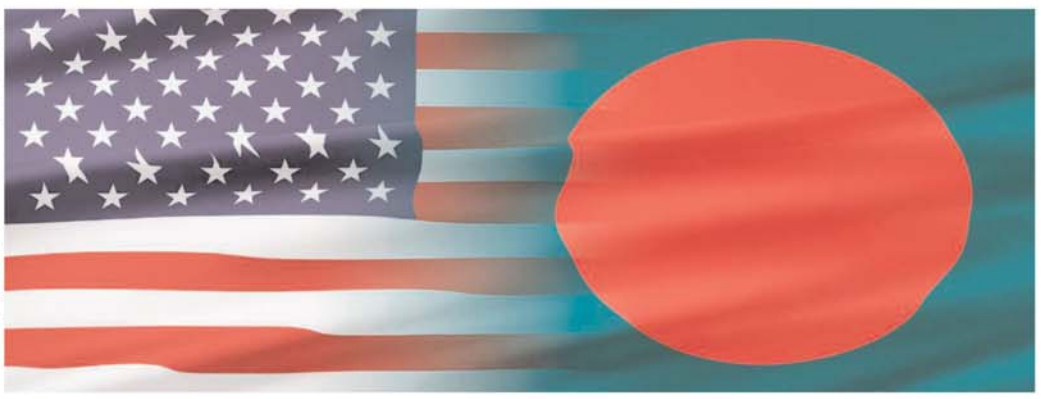

सत्तारूढ़ एएल के भीतर और बाहर दोनों ही वर्गों की राय है कि देश अभी भी साहसपूर्वक अपने वर्तमान तटस्थ राजनीतिक दृष्टिकोण को बनाये रख सकता है। लेकिन वर्तमान में बढ़ती मुद्रास्फीति और महंगे भोजन, ईंधन और उर्वरकों के खिलाफ संघर्ष कर रहे अन्य बांग्लादेशी अपने आत्मविश्वास को साझा नहीं कर सकते हैं। हालांकि, अगर ढाका एएल की हार के कारण या किसी अन्य कारण से पश्चिम के करीब जाना पसंद करता है, तो भारत बड़ी क्षेत्रीय सुरक्षा के दीर्घकालिक हित में, आपातकालीन आर्थिक सहायता के लिए बांग्लादेशियों के चीन से संपर्क करने के बजाय, इस तरह के बदलाव को प्राथमिकता देगा। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि बांग्लादेश में हर गुजरते हफ्ते के साथ राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है। तमाम संकेत बताते हैं कि जनवरी 2024 में प्रस्तावित आम चुनाव युगांतकारी महत्व वाले साबित होंगे। पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि बांग्लादेश में पहले हुए चुनावों की तुलना में 2024 के चुनाव परिणाम आने वाले दशकों में बांग्लादेश के लिए आगे का रास्ता तय करेंगे। अब तक, बांग्लादेश ने चतुराई से एक स्वतंत्र, प्रभावी रूप से संतुलित गुटनिरपेक्ष विदेश नीति अपनाई है। कुछ अन्य एशियाई देशों के विपरीत, बांग्लादेश ने संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर स्वतंत्र निर्णय लेने में संकोच नहीं किया है - यूक्रेन में युद्ध एक हालिया उदाहरण है - प्रमुख शक्ति गुटों के संदर्भ के बिना। हालांकि, जैसा कि देश अपने अगले दौर के चुनाव आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, उसे पता चला है कि विशेष रूप से अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों के शक्तिशाली गुट से राजनयिक दबाव काफी बढ़ गया है। स्पष्ट शब्दों में, वे बांग्लादेश को पश्चिम के प्रति अपनी राजनीतिक प्राथमिकता को और अधिक खुले तौर पर व्यक्त करते देखना चाहते हैं। मानवाधिकारों और संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए अवामीलीग (एएल) शासित सरकार के खिलाफ कुछ प्रतिबंधों की घोषणा करके, अमेरिका ने पहले ही नोटिस दे दिया है कि अगर ढाका ने अपने तरीके नहीं बदले तो बांग्लादेश की भविष्य की आर्थिक प्रगति रुक सकती है। इससे बांग्लादेश की ओर से अपनी विदेश नीति में एक सुधार (परिवर्तन) की आवश्यकता होगी। इसे यक्रेन और अन्य मामलों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पश्चिम-प्रायोजित प्रस्तावों के लिए मतदान करना होगा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) जैसे पश्चिम-समर्थक तत्वों को भी पहले की तुलना में अधिक कार्यात्मक स्थान देना पड़ेगा। इसमें प्रमुख सहायता प्रदाता के रूप में चीन पर कम निर्भरता और देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाने वाली यूरोपीयसंघ/अमेरिकी कंपनियों पर भी कम निर्भरता शामिल होगी। भले ही इसमें उन नेताओं और समूहों के साथ कुछ समझौता शामिल हो, जिन्होंने सत्तर के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वास्तव में पाकिस्तान का विरोध और सहयोग किया था, पश्चिमी तर्क के अनुसार, अवामीलीग को आपत्ति नहीं होनी चाहिए! अन्यथा, यूरोपीय संघ के देशों और अमेरिका का गुट लंबे समय तक उदार निर्यात नीतियों की अनुमति देकर बांग्लादेश जैसे विकासशील देश के लिए आगे की आर्थिक प्रगति को आसान नहीं बना सकता है। विशेषकर कपड़ा क्षेत्र, जो मुख्य बांग्लादेशी निर्यात अर्जक है, को निशाना बनाया जा सकता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि सत्तारूढ़ एएल नेताओं को लगता है कि वे अस्तित्व संबंधी राजनीतिक चुनौती का सामना कर रहे हैं। आने वाले महीनों में कुछ गलत कदम/संकेत उनके लिए सफलता और असफलता के बीच अंतर बता सकते हैं। एएल द्वारा अपनाया जाने वाला कोई भी निर्णय अनिवार्य रूप से भारत, उसके निकटतम और मित्रवत पड़ोसी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। व्यावहारिक रूप से दिल्ली चाहेगी कि ढाका पहले की तरह तटस्थ रहे, भारत की तरह, और पश्चिम और गैर-पश्चिम शक्ति गुटों के बीच संतुलन बनाए रखे। गौरतलब है कि सत्तारूढ़ एएल के भीतर और बाहर दोनों ही वर्गों की राय है कि देश अभी भी साहसपूर्वक अपने वर्तमान तटस्थ राजनीतिक दृष्टिकोण को बनाये रख सकता है। लेकिन वर्तमान में बढ़ती मुद्रास्फीति और महंगे भोजन, ईंधन और उर्वरकों के खिलाफ संघर्ष कर रहे अन्य बांग्लादेशी अपने आत्मविश्वास को साझा नहीं कर सकते हैं। हालांकि, अगर ढाका एएल की हार के कारण या किसी अन्य कारण से पश्चिम के करीब जाना पसंद करता है, तो भारत बड़ी क्षेत्रीय सुरक्षा के दीर्घकालिक हित में, आपातकालीन आर्थिक सहायता के लिए बांग्लादेशियों के चीन से संपर्क करने के बजाय, इस तरह के बदलाव को प्राथमिकता देगा। चुनाव पूर्व दौड़ में अमेरिका के नेतृत्व वाला पश्चिम कूटनीतिक रूप से अधिक मुखर रहा है। अमेरिकी राजनयिक बांग्लादेश के मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप कर रहे हैं, ज्यादातर विपक्षी नेताओं से मिल रहे हैं, तथा विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इससे एएल शासक और समर्थक परेशान हैं, जिन्होंने इन गतिविधियों का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र के सभा सत्रों में रूस-चीन गुट को घेरने में अपनी विफलता और रूस द्वारा अपने प्रतिबंधों की स्पष्ट रूप से प्रभावी अवहेलना के संदर्भ में, पश्चिम के देश बांग्लादेश चुनावों के बड़े क्षेत्रीय निहितार्थों को समझते हैं। इसके विपरीत, दक्षिण एशिया में प्रमुख सहायता प्रदाताओं के रूप में चीन और जापान द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण कहीं अधिक सूक्ष्म है। सच है, जापान के विपरीत, चीन ने हाल के बयानों में बांग्लादेश में अमेरिकी राजनयिक हस्तक्षेप और उसकी मंजूरी की निंदा की है। बीजिंग ने यह भी आरोप लगाया है कि कैसे अमेरिका नियमित रूप से काले और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ अपने दुर्व्यवहार को नजरअंदाज करता है और बांग्लादेश पर हमला करते हुए अन्य प्रकार के जातीय भेदभाव की अनुमति देता है। जापान अधिक सावधान हो गया है। इसके राजनयिकों को कभी भी इसके पर्याप्त सहायता पैकेजों को बांग्लादेश को किसी भी तरह से प्रभावित करने वाले आंतरिक या बाहरी राजनीतिक विकास से जोड़ने के लिए नहीं जाना गया है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह ढाका के चीन के बजाय पश्चिम के साथ मित्रतापूर्ण संबंध अपनाना पसंद करेगा। ऐसे नाजुक/मुश्किल संतुलन कार्यों को देखते हुए, वरिष्ठ एएल नेताओं को स्वाभाविक रूप से उम्मीद है कि भारत आने वाले महीनों में एक प्रमुख सहायक भूमिका निभायेगा। हाल ही में विदेश विभाग द्वारा दिए गए बयानों और संकेतों से यह बात जाहिर हो गई है। मंत्री डॉ. ए.के.अब्दुल मोमिन ने हाल ही में सुझाव दिया था कि अमेरिकी प्रतिबंधों के मद्देनजर भारत को अमेरिका में बांग्लादेश के लिए गुहार लगानी चाहिए। राजनयिक हलके इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि बांग्लादेश ने भारतीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी से अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन से आग्रह करने के लिए संपर्क किया था कि वे पाक समर्थक बीएनपी के लिए अमेरिकी प्राथमिकता के मुकाबले सत्तारूढ़ एएल पर नरम रुख अपनायें। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमेरिका वर्षों से एएल के प्रति अपने अविश्वास को बनाये रखने और प्रधान मंत्री शेख हसीना के कथित च्अति-राष्ट्रवाद के बारे में सावधान बना हुआ है। मोटे तौर पर, यूरोपीय संघ के देश भी अमेरिका के दृष्टिकोण के अनुरूप हो गये हैं, हालांकि कुछ हद तक ही। अधिकांश पश्चिमी नेता बीएनपी जैसे बांग्लादेश के विपक्षी दलों के नेताओं से निपटना पसंद करते हैं। वे नोबेल विजेता अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मदयूनुस जैसी बांग्लादेशी सार्वजनिक हस्तियों के साथ एक आरामदायक क्षेत्र साझा करते हैं - यह ऐसी सार्वजनिक हस्तियों और उनके बीच व्याप्त शातिर पारस्परिक प्रतिद्वंद्विता के बावजूद है। सत्तारूढ़ ए.एल. के अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि श्री मोदी, जिनके पास श्री बाइडेन के साथ चर्चा करने का अपना एजेंडा है, आवश्यक रूप से उच्च स्तरीय वार्ता के दौरान बांग्लादेश और दक्षिण एशिया में इसकी भूमिका के लिए एक मूर्त राजनीतिक अनुमोदन से अधिक कुछ नहीं कर सकते हैं। ढाका को अमेरिका और शक्तिशाली पश्चिमी लॉबी के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने में शायद ही पर्याप्त मदद मिली है। इसलिए, बांग्लादेश का राजनीतिक भविष्य कुछ हद तक आगामी चुनावों के अंतिम नतीजों पर निर्भर करेगा। यह स्पष्ट है कि चुनाव जमकर लड़ा जायेगा, लेकिन मौजूदा अव्यवस्था की स्थिति में बीएनपी के नेतृत्व वाले विपक्ष के लिए सत्तारूढ़ एएल को हटाने के बारे में गंभीरता से सोचना अभी भी मुश्किल हो सकता है। सच है, व्यापक और अप्रत्यक्ष नैतिक समर्थन के मामले में बीएनपी, अधिक पश्चिमी सहानुभूति प्राप्त करती है।

देवभोगढ़ सशिम से 3 व एम मनु पब्लिक स्कूल से 2 छात्राओं का चयन एकलव्य व प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए हुआ

संवाददाता हेमचंद नागेश
देवभोग में संचालित एम मनु पब्लिक स्कूल की छात्रा सोनम नेताम व प्रकृति कश्यप का चयन एकलव्य विद्यालय के लिए चयन हुआ है।संस्था की संचालिका मांडवी मिश्रा ने इस उपलब्धि के लिए छात्र व पालकों को बधाई दिया है।इसी तरहलंकेश्वरी बाल संस्कार समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवभोग के तीन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने आवासीय विद्यालयों हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय , माता-पिता व क्षेत्र को गौरवान्वित किया है ।एकलव्य विद्यालय कक्षा षष्ठम हेतु डिकेश मांझी , प्रयास विद्यालय कक्षा नवम हेतु वेदप्रकाश बेहरा तथा नवोदय विद्यालय कक्षा षष्ठम हेतु डाली साहू ने सफलता प्राप्त किया है । सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रा प्रारंभ से ही मेहनती व मेधावी रहे हैं । भैया - बहिनों की इस सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य नरेन्द्र साहू , प्रधानाचार्य मनोज रघुवंशी ,समेत संस्थान संचालन समिति ने हर्ष व्यक्त किया है।

सरपंच सचिव कि लापरवाही पुल निर्माण कर मुरूम के जगह दिया मिट्टी आवाजाहि के लिए हो रहे हैं ग्रामीण परेशान

संवाददाता हेमचंद नागेश
गरियाबंद जिला देवभोग विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कैटपदर में सरपंच सचिव कि लापरवाही के चलते ग्रामीणों को काफी परिशानी का सामना करना पड़ रहा है बता दें कि कुछ दिन पहले कैटपदर से कसीपानी जाने मुख्य मार्ग पर पुल का निर्माण किया गया है जिसमें मुरूम के जगह मिट्टी को पाट दिया गया है। जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है आए दिन बारिश के मौसम के चलते आवा जाहि पुरी तरह क्षति ग्रस्त हो गया है इसके चलते इसमें पैदल तो दूर बाइक पर भी चलने से लोग डर रहे हैं। कैटपदर कसीपानी आने के लिए पक्का रास्ता नहीं है इसी रास्ते से ही ग्रामीण कैठपदर से कसीपानी आना-जाना करते हैं ग्रामीणों को आना जाना करना मुसीवत का कारण बन गया है कई बाइक सवार फिसल कर गिर रहे इस प्रकार सरपंच सचिव कि अनियमितता लापरवाही से ग्रामीण भारी आक्रोशित नजर आ रहे हैं।

आदिम जन जाति ग्राम सिहार में जंगली हाथी के हमले से बुजुर्ग महिला की मौत, क्षेत्र में भारी दहशत

संवाददाता हेमचंद नागेश
मैनपुर। गरियाबंद जिले के वन परिक्षेत्र मैनपुर से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आ रही है, जंगली हाथी के हमले से एक ग्रामीण महिला की मौत हो गई है।वन विभाग सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मैनपुर से 10 किलोमीटर दूर ग्राम सिहार में आज सुबह 06 बजे दो महिलाएं गांव के नजदीक ही महुआ टोरी फल वनोपज संग्रहण कर रहे थे कि अचानक एक हाथी ने हमला कर दिया। हाथी के हमले से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम कौशल्या नेताम उम्र 48 वर्ष बताई जा रही है।खबर की जानकारी लगते ही वन विभाग और पुलिस विभाग का अमला मौके पर पहुँच गया है। वहीं दूसरी ओर इस घटना की पुष्टि वन परिक्षेत्र अधिकारी मैनपुर संजीत मरकाम ने किया है।

श्रीरामचरितमानस भेटकर कलेक्टर का समाजसेवियों ने किया सम्मान

छत्तीसगढ़ शाकंम्भरी सेवा संस्थान की पहल

संवाददाता हेमचंद नागेश
छुरा। गरियाबंद जिले के नवपदस्थ युवा कलेक्टर आकाश छिकारा से सोमवार को इंडियन रेडक्रॉस संरक्षक सदस्य व समाजसेवी मनोज पटेल, समाजसेवी भीम निषाद,समाजसेवी रोशन देवांगन,पत्रकार मोती पटेल,आदिवासी समाज के वरिष्ठ नागरिक भरत दीवान,ने कलेक्टर आकाश छिकारा को श्रीरामरामचरितमानस भेंट कर सम्मान किया गया समाजसेवियों ने रक्तदान के विषय में कलेक्टर आकाश छिकारा से किया विशेष चर्चा और रक्तदान शिविर के लिये ब्लड डोनेशन चेयर नहीं होने के कारण शिविर में होने वाली समस्या से अवगत कराते हुए तीन नग डोनेशन चेयर उपलब्ध कराने के संबंध में निवेदन किया गया मा. कलेक्टर महोदय जी ने तत्काल ही डोनेशन चेयर के लिए ष्टरूाह्र को आदेशित कर चेयर की व्यवस्था कराने का अस्वासन दिया।

गोहरापदर सहित अंचल के विभिन्न विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव मनाया,मिठाई खिलाकर विद्यार्थियों का किया स्वागत

संवाददाता हेमचंद नागेश
गोहरापदर नए शिक्षा सत्र के प्रारंभ होते ही प्रदेश भर में शाला प्रवेशोत्सव के कार्यक्रम हो रहे है,संकुल केंद्र गोहरापदर सहित संकुल के विभिन्न विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव के कार्यक्रम मे नये विद्यार्थी विद्यालय परिवार में शामिल हुए।ग्राम पंचायत गोहरापदर के माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला में नए शिक्षण सत्र के पहले दिन ही शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। नए विद्यार्थियों सहित सभी छात्र छात्राओं को मिठाई खिलाकर तथा टीका लगाकर अतिथियों ने स्वागत किया।इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोवर्धन सिंह माँझी ने कहा की शिक्षा किसी मानव की जीवन का आधार होती है,शिक्षा के बग़ैर जीवन अंधकार मय होता है।आज शिक्षण सत्र का पहला दिन है आज बहुत से बच्चे अपने जीवन में पहली बार स्कूल में कदम रखेंगे और अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण नए अध्याय का शुभारंभ करेंगे।जो बीते वर्षों से पढ़ाई कर रहे है वे विद्यार्थी गर्मियों की छुट्टियाँ ख़त्म होने के पश्चात नवीन ऊर्जा से शाला आये।हमारे देश में शिक्षा का अधिकार लागू है साथ ही पढ़ाई के लिए विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध है निःशुल्क शिक्षा व्यवस्था के बाद भी काफ़ी बच्चे शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं हमें जागरूकता अभियान चलाकर सभी को विद्यालय आने के लिए प्रेरित करना चाहिए।मैं सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ ज्ञापित करता हूँ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरपंच हेमादी मांझी,भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी,पुर्व सरपंच मेघराम बघेल,पुर्व उपसरपंच दीनानाथ साहू,देवीसिंह नेताम,नरसिंह भाटी,प्रधान पाठक ठेलूराम प्रधान,संकुल समन्वयक संजय कुमार कश्यप,शिक्षक हेमलाल जगत,शिक्षक भगवानों राम पांडे,प्रधान पाठक सुरेश राम यादव,ललिता तिवारी सहित अन्य शिक्षक,पालक गण उपस्थित रहे।

श्री अष्टपहरी नामयज्ञ कलशयात्रा निकाली गई धुमधाम से

संवाददाता हेमचंद नागेश
अमलीपदर।गांव अमलीपदर नगर में श्री जगन्नाथ जी के पवित्र रथयात्रा महोत्सव में आज पंडित युवराज पांडेय जी द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी के गुंडीचा मंदिर में आयोजित श्री अष्टपहरी नामयज्ञ रखा गया है जिसमें आज बस स्टैंड से नगर के मुख्य मार्ग से श्री कलश समस्त माता बहन, श्रद्धालु , भक्तगण, गांव पुजारी, सरपंच , झाकर, बैगा , सहित बाजे गाजे, संकीर्तन मंडली द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी के पावन नाम का स्मरण करते हुए गांव के मुख्य मार्ग से होते हुए गांव देवी मां शीतला के दरबार में पुजन अर्चना कर ग्राम के गंगा सम पवित्र सुखा नदी से जल भर श्री गुंडीचा मंदिर कलश यात्रा पहुंची जहां पंडित युवराज पांडेय जी द्वारा भगवान श्री अष्टपहरी नामयज्ञ की , श्री चैतन्य महाप्रभु, कलश पुजन , दीप पुजन कर पुजन अर्चना किया गया और संध्या को भव्य आरती किया

गया जिसमें हजारों भक्त श्रद्धालु उपस्थित होकर महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी से प्रार्थना किया गया और विशाल भंडारा महाप्रसाद का वितरण किया गया और रात्रि को संकीर्तन मंडली द्वारा भजन कीर्तन किया गया पं जी ने बताया कि कल प्रातः काल 8 बजे नामयज्ञ आरम्भ किया गया जाएगा जिसमे दुर दुर से आये प्रसिद्ध संकीर्तन मंडली द्वारा नामयज्ञ किया जाना है पं युवराज पांडेय जी द्वारा प्रेस वार्ता में बताया गया कि कलियुग केवल नाम अधारा सुमरि सुमरि नर उतरही पारा कलियुग में नाम जप की महिमा अपार है इस वर्णन किया नहीं जा सकता इसलिए नाम जप से मनुष्य को सभी प्रकार के तापो से मुक्ति मिलती है इसलिए नाम जप श्रेष्ठ है ।

समूचा छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का मामा है : भाजपा

भगवान राम के ननिहाल में मामाओ को खतरनाक बोलकर कांग्रेस ने पूरे छत्तीसगढ़ का अपमान किया

कांग्रेस द्वारा छत्तीसगढ़ वासियों की मारीच और शकुनी से तुलना अक्षम्य अपराध-अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन द्वारा हिन्दुत्व और मामा को लेकर की गई टिप्पणी को छत्तीसगढ़ की भावनाओं का घोर अपमान बाताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है और कहा कि तुष्टीकरण की गंदी राजनीति में आकंठ लिप्त कांग्रेस अब हिन्दुत्व और रिश्तों की मर्यादा पर भी कीचड़ उछालकर अपना राजनीतिक चरित्र प्रदर्शित कर रही है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा क कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णन ने छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर 'मामा' को लेकर जो टिप्पणी की है, वह भगवान राम के ननिहाल और उनके छत्तीसगढ़ स्थित सभी मामाओं का घोर अपमान है। प्रभु श्रीराम को छत्तीसगढ़ में भांजे के रूप में पूजा जाता है और छत्तीसगढ़वासी स्वयं को प्रभु श्रीराम का मामा कहलाने में गर्व अनुभव करते हैं। प्रमोद कृष्णन को यदि यह पता होता कि छत्तीसगढ़ में मामा अपने भांजों का चरण स्पर्श करते हैं और भांजों से कभी चरण स्पर्श नहीं कराया जाता, तो 'मामा' को लेकर वे यूं विष नहीं उगलते। प्रमोद कृष्णन ने मारीच और शकुनि की चर्चा करके छत्तीसगढ़ के सभी मामाओं और छत्तीसगढ़वासियों का अपमान किया है। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मामाओं के अपमान के लिए कांग्रेस नेताओं को पूरे छत्तीसगढ़ से बिना शर्त क्षमा याचना करनी चाहिए।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि आज कांग्रेस अगर हिन्दुत्व की बात करने पर विवश है तो यह भाजपा की ही वैचारिक जीत है। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हिन्दुत्व की बपौती तय कर लें, क्योंकि उनके पिता इस संबंध में विचार स्पष्ट है। राहुल गांधी हिन्दू और हिन्दुत्व को एक नहीं मानते, भारत को एक राष्ट्र नहीं मानते, लोकसभा में जिस कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का बताकर तुष्टीकरण की सबसे खराब मिसाल पेश की थी, जिस कांग्रेस के पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने खुद को 'एक्सीडेंटल हिन्दू' बताकर महात्मा गांधी की अवमानना की थी, वह कांग्रेस आज हिन्दुत्व के रास्ते पर होने और महात्मा गांधी के सबसे बड़ा हिन्दू होने का दंभ किस मुंह से भर रही ह

बीज और खाद की कालाबाजारी इस सीजन में भी नहीं रोक पा रही सरकार : भाजपा

त्रिलोकी तिवारी
ब्यूरो गरियाबंद

राजिम। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों को एक बार फिर प्रताड़ति करने का कुचक्र चला रही है। श्री शर्मा ने कहा कि मानसून प्रदेश में सक्रिय हो चुका है और कृषि कार्य अब जोर पकड़ने वाला है तब सहकारी समितियों से किसानों को बीज के लिए भटकना पड़ रहा है और आगे चलकर खाद की किल्लत से भी किसान परेशान होंगे।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सहकारी समितियों से पिछले दो माह से महामाया (राजेश्वरी) धान का बीज नहीं मिल रहा है। इससे किसानों को यह बीज 24 रुपए के बजाय खुले बाजार में निजी दुकानों से 70 से 75 रुपए प्रति किलो की दर पर खरीदने के लिए विवश होना पड़ रहा है। श्री शर्मा ने इसे धान बीज की कालाबाजारी बताते हुए कहा कि बीज उत्पादक किसानों ने जो महामाया (राजेश्वरी) धान बीज का उत्पादन किया था, वह बीज कहां गया; यह बताना सरकार की जवाबदेही है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि अब बारिश शुरू हो गई है और खेतों में धान बीज के अंकुरण के साथ ही किसानों को यूरिया खाद की जरूरत पड़ेगी। प्रदेश सरकार एक बार फिर यूरिया खाद की आपूर्ति सहकारी समितियों को नहीं कर रही है और किसान फिर खाद की कालाबाजारी के मकड़जाल में फंसने के लिए विवश होंगे। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की भूपेश सरकार किसानों को यूरिया खाद के लिए तरसाकर अपने द्वारा किए गए गोबर घोटाले की भरपाई करने की फिराक में है। कचरा व मिट्टी से भरे कथित कम्पोस्ट खाद को एक बार फिर जबर्दस्ती किसानों को बेचकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार करोड़ों रुपए की अवैध वसूली करने का कुचक्र चला रही है।

सुनहरा कमल से बच्चों में अच्छी शिक्षा, संस्कार और सत्कार की भावना होगी जागृत -आचार्य प्रमोद कृष्णम

बच्चों के लिए बनी बाल कथा संग्रह सुनहरा कमल का आध्यात्मिक गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम, राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तनखा, पूर्व मंत्री तथा वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा ने किया विमोचन

संवाददाता हेमचंद नागेश
गरियाबंद - नगर की वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमति विनोदनी मिश्रा द्वारा रचित बाल कथा

संग्रह सुनहरा कमल का शनिवार को विमोचन किया गया। बच्चों में अच्छी शिक्षा, संस्कार, आध्यात्मिक ज्ञान जागृत करने के उद्देश्य से रचित प्रेरक कहानियों से परिपूर्ण इस पुस्तक का आध्यात्मीक गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम, राज्य सभा सांसद विवेक कृष्ण तनखा, एडोवोकेट जनरल सतीश चंद वर्मा तथा रायपुर विधायक सत्यनारायण शर्मा ने वन विभाग के ऑक्सन हॉल विमोचन किया। इस अवसर पर समारोह में सुनहरा कमल की रचियिता श्रीमति विनोदनी मिश्रा का परिवार, उनके पुत्र वरिष्ठ पत्रकार नीरज मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिवक्तागण, पत्रकार बंधु व नगर के प्रबुद्ध नागरिक भी उपस्थित थे।इस अवसर कार्यक्रम में आचार्य प्रमोद कृष्णम कहा की ने आज देश की जो स्थिति है, वह चिंतानजनक है। हमे ऊंच-नीच, जातिवाद और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर देश के हित मे सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश की एकता अखंडता के लिए महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, अशफाक उल्ला खान ने अपना बलिदान दिया। लेकिन आज उन्हें दुख होगा की देश एकजुटता के सूत्र में बांधने के बजाय बट रहा है। उन्होनें मानव सेवा की अपील करते हुए कहा कि सब सुखी रहे यह हमारा मूल मंत्र होना चाहिए। आज इस पत्रिका का विमोचन हमें यह बताता है की बच्चों को सही दिशा देने के लिए साहित्य से अलग और कोई मार्ग हो ही नहीं सकता।कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने कहा कि हमारा लक्ष्य देश का उत्थान होना चाहिए। इसके लिए राजनीति से ऊपर उठकर सोचने की जरूरत है। राजनीति में निश्चार्थ सेवा करने वाले को आना चाहिए, तभी देश और समाज का विकास हो सकता हैं। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों से देश के संविधान और कानून का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम में उन्होंने पांच लाख रुपए देने की घोषणा भी की। महाधिवक्ता सतीश वर्मा ने इस तरह की किताबें बच्चो को जीवन जीने का सहीं मार्ग दिखाती है। वरिष्ठ विधायक शर्मा ने कहा कि बच्चों को सही संस्कार देने से ही उनका भविष्य उज्जवल होगा।कार्यक्रम को पत्रकार नीरज मिश्रा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन ने समारोह का आभार व्यक्त करते हुए कहा की बच्चो में अच्छे शिक्षा प्रदान करने यह पुस्तक सार्थक प्रयास है। इस दौरान उन्होंने सांसद तनखा द्वारा पांच लाख की घोषणा करने पर उन्हें धन्यवाद भी ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन स्मिता शर्मा ने किया। उल्लेखनीय है की अधिवक्ता विनोदनी मिश्रा द्वारा लिखित यह दूसरी किताब है। पहली किताब कौआ हकनी का

विमोचन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के हाथो हुआ था। मालूम हो की श्रीमति विनोदनी मिश्रा अधिवक्ता होने के साथ साथ समाज सेवा में भी अग्रणी रही है। अपने जीवन काल में उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई उल्लेखनीय कार्य किए। महिलाओं को संगठित और एकजुट करने उन्होंने महिला मंडल को स्थापना की। महिलाओं के लिए पौढ़ शिक्षा की शुरुवात की। क्षेत्र की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए हमेशा उनकी संघर्षशीलता देखने की मिली। ज्ञात हो कि वे छ.ग. के समाज कल्याण बोर्ड की प्रथम अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

भारत ने आज ही के दिन जीता पहला वर्ल्ड-कप

फाइनल में कैसे डिफेंड किए महज 183 रन; टॉस से ट्रॉफी तक पूरी कहानी

25 जून 1983। लॉर्ड्स का मैदान। भारत और वेस्टइंडीज के बीच वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला। पहली पारी में टीम इंडिया महज 183 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। वेस्टइंडीज के सामने फाइनल में इतना कम टारगेट डिफेंड करना लगभग असंभव था, लेकिन टीम इंडिया ने कर दिखाया। आखिर ये कैसे हुआ?

1983 वर्ल्ड कप फाइनल जीत के आज 40 साल पूरे हो चुके हैं। आइए, जानते हैं उस दिन टीम इंडिया के टॉस हारने से ट्रॉफी जीतने तक की पूरी कहानी...

शुरुआत टॉस से करते हैं : लंदन में वेस्टइंडीज और भारत के दर्शकों से खचाखच भरा लॉर्ड्स का ऐतिहासिक मैदान। टूर्नामेंट से पहले भारत को लॉर्ड्स स्टेडियम में घुसने की परमिशन भी नहीं थी, क्योंकि यहां फाइनल खेलने वाली टीम ही आ सकती थी। टीम इंडिया इंग्लैंड को हराकर फाइनल में पहुंच गई। भारत के जिन फैंस को टूर्नामेंट में टीम से 2 मैच जीतने की भी उम्मीद नहीं थी, वो फैंस इंग्लैंड के दर्शकों से टिकट खरीदकर फाइनल देखने पहुंच गए। वेस्टइंडीज को 2 बार वर्ल्ड कप जिता चुके क्लाइव लॉयड ने भारत के कप्तान कपिल देव के खिलाफ टॉस जीत लिया। लॉर्ड्स की घास भरी पिच पर लॉयड को पहले गेंदबाजी करने में कोई परेशानी नहीं हुई। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया से सुनील गावसकर और कृष्णमचारी श्रीकांत बैटिंग करने उतरे। सामने वेस्टइंडीज के खतरनाक पेसर्स की चौकड़ी, जिनमें एंडी रॉबर्ट्स, जोएल गारनर, माइकल होल्डिंग और मैल्कम मार्शल जैसे तेज गेंदबाज शामिल थे। ये बॉलर्स टूर्नामेंट में विपक्षी बैटर्स के विकेट लेने से ज्यादा उन्हें घायल करने के लिए पहचाने जा रहे थे। रॉबर्ट्स की पहली बॉल पर गावसकर बगैर हेलमेट के बैटिंग करने के लिए खड़े हो गए। ऑफ स्टंप की गुड लेंथ पर बॉल को गावसकर ने डिफेंस किया, दूसरी बॉल लेग साइड पर रही और गावसकर ने फाइन लेग पर फाइनल का पहला रन ले लिया। गावसकर ज्यादा देर टिक नहीं सके और पांचवें ही ओवर में रॉबर्ट्स ने विकेटकीपर के हाथों उन्हें कैच आउट करा दिया। उन्होंने 2 रन बनाए। 2 रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद नंबर-3 पर मोहिंदर अमरनाथ उतरे। उन्होंने श्रीकांत के साथ पारी आगे बढ़ाई और विंडीज बॉलर्स को विकेट के लिए तरसा दिया। श्रीकांत ने एक एंड से चौके लगाने शुरू किए और दूसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। अपनी पारी में 7 चौके और एक छक्का लगा चुके श्रीकांत 38 रन बनाकर मार्शल की बॉल पर ख्ब्ङ्ग हो गए। अमरनाथ ने फिर यशपाल शर्मा के साथ 31 रन जोड़े। वह 79 बॉल पर 26 रन बनाकर खेल रहे थे। तभी होल्डिंग की बॉल सीधे उनके स्टंप्स में जा लगी, अमरनाथ आउट और भारत का स्कोर 90 रन पर 3 विकेट हो गया। 2 रन बाद यशपाल भी कैच आउट हो गए।

इंग्लैंड घूमने गए संदीप पाटील आखिर तक टिके रहे : नंबर-5 पर उतरे संदीप पाटील ने वर्ल्ड कप को लेकर कहा था कि वो तो टूर्नामेंट से पहले बकिंघम पैलेस, हाइड पार्क और ट्रफलगर स्क्वेयर देखने को लेकर ही उत्साहित थे। अब वह विंडीज पेसर्स के सामने फाइनल में बैटिंग कर रहे थे। टीम का स्कोर 92 रन पर 4 विकेट था, यहां से उन्होंने एक एंड से रन बनाने शुरू किए। पाटील के सामने कपिल देव 15 रन बनाकर आउट हो गए। कपिल के बाद कीर्ति आजाद खाता भी नहीं खोल सके और रोजर बिन्नी 2 ही रन बना सके। दोनों को एंडी रोबर्ट्स ने कैच आउट कराया और भारत का स्कोर एक समय 90 पर 2 विकेट से 130 रन पर 7 विकेट हो गया। पाटील अब भी एक छोर पर टिके रहे।

पाटील ने मदन लाल के साथ 23 रन की पार्टनरशिप की और टीम इंडिया को 150 के पार पहुंचाया, लेकिन 29 बॉल पर 27 रन बनाकर वह भी आउट हो गए। आखिर में मदन लाल ने 17, विकेटकीपर सैयद किरमानी ने 14 और गेंदबाज बलविंदर संधू ने 11 रन बनाकर भारत को 183 तक पहुंचाया। विंडीज पेसर्स ने 60 ओवर के मैच में टीम इंडिया को 54.4 ओवर में ही ऑलआउट कर दिया।

विंडीज के सामने 183 का टारगेट नहीं हुआ था कभी डिफेंड : डिफेंडिंग चैंपियन के सामने टीम इंडिया 200 रन भी नही बना सकी थी। अब अगली चुनौती कपिल देव के सामने टीम को मोटिवेट करने की थी। उन्होंने कहा- अगर ये विनिंग टोटल नहीं है तो फाइटिंग टोटल तो जरूर ही है। 1983 से पहले टूर्नामेंट इतिहास में केवल एक ही बार 183 से कम रनों का स्कोर डिफेंड हो सका था, वो भी 1979 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ किया था। पहली पारी खत्म होने के बाद भारतीय फैंस की उम्मीदें टूटने लगीं। कॉमेंटेटर्स और वहां मौजूद एक्सपर्ट्स ने भी कह दिया कि विवियन रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, गॉर्डन ग्रीनिज और डेसमंड हाइन्स जैसे बैटर्स के सामने 183 रन कम पड़ेंगे। 184 रन के स्कोर को डिफेंड करने उतरी वेस्टइंडीज से ग्रीनिज और हाइन्स ओपनिंग करने उतरे। कपिल देव ने दूसरी पारी के पहले ओवर में कोई रन नहीं दिया। चौथे ओवर में बलविंदर संधू ने गुड लेंथ पर बॉल फेंकी। ग्रीनिज ने गेंद छोड़ दी, बॉल तेजी से अंदर की ओर स्विंग हुई और ऑफ स्टंप की गिल्लियां उड़ गईं। वेस्टइंडीज का स्कोर 5 रन पर एक विकेट और भारतीय फैंस खुशी से झूमने लगे।

रिचर्ड्स ने विकेट के लिए तरसा दिया : नंबर-3 पर उतरे विवियन रिचर्ड्स अपने पीक फॉर्म में थे। बैटिंग पर आते ही उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया और सभी दिशाओं में चौके लगाने शुरू कर दिए। हाइन्स ने भी दूसरे एंड पर साथ दिया और टीम का स्कोर 50 तक पहुंचा दिया। भारतीय फैंस एक बार फिर निराश और गेंदबाज भी लगभग हार मानने लगे।

मदन लाल ने जिद कर कपिल के हाथ से छीनी बॉल : रिचर्ड्स के क्रीज पर आते ही मदन लाल कप्तान कपिल देव के पास पहुंचे और उनके हाथ से बॉल छीन ली। वह बोले की रिचर्ड्स के सामने वो ही बॉलिंग करेंगे और उन्हें आउट कर के मानेंगे। मैच के बाद कपिल ने कहा था, %जब खिलाड़ी में इतना कॉन्फिडेंस रहे तो आप उन पर आंखें बंद कर के भरोसा कर लेते हैं।

मदन लाल ने कपिल से जिद करने के बाद बॉलिंग की ओर हाइन्स को कैच आउट करा दिया। हाइन्स ने 13 रन बनाए, लेकिन रिचर्ड्स अब भी क्रीज पर थे। वह 27 गेंदों पर ही 33 रन बना चुके थे, उनका साथ देने खुद कप्तान क्लाइव लॉयड पहुंच गए। मदन लाल ने गेंदबाजी जारी रखी, रिचर्ड्स भी उनकी गेंदों पर लगातार आक्रमण कर रहे थे।

मदन लाल ने ऑफ स्टंप पर शॉर्ट पिच बॉल फेंकी, रिचर्ड्स ने बैकफुट पर स्क्वेयर लेग की ओर हवा में शॉट खेला। शॉट मारते ही वह 2 रन लेने के लिए दौड़ पड़े। मदन लाल की बॉल पर शॉट खेलते ही रिचर्ड्स 2 रन लेने के लिए दौड़ पड़े। शॉर्ट मिड-विकेट पर खड़े कपिल देव स्क्वेयर लेग बाउंड्री की ओर दौड़ पड़े, उन्होंने करीब 15 यार्ड का एरिया कवर किया और कैच पकड़ लिया। कपिल के इस कैच ने रिचर्ड्स को पवेलियन भेजा और विंडीज का स्कोर 57 रन पर 3 विकेट हो गया।

वर्ल्ड-कप क्वालिफायर...नीदरलैंड ने नेपाल को हराया

वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे के साथ सुपर-6 में क्वालिफाई किया; मैक्स ओब्ड्डाउड ने बनाए 90 रन

हरारे। क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर रोमांचक हो चला है। शनिवार को जिम्बाब्वे ने वेस्टइंडीज को 33 रन से हराया। वहीं ग्रुप-ए के अन्य मुकाबले में नीदरलैंड ने नेपाल को हराकर सुपर-6 स्टेज में क्वालिफाई कर लिया। इस हार के साथ नेपाल की टीम ग्रु के साथ एलिमिनेट हो गई और ग्रुप-ए में जिम्बाब्वे, नीदरलैंड के साथ वेस्टइंडीज ने भी अगले राउंड में क्वालिफाई कर लिया। टूर्नामेंट में रविवार को ग्रुप-बी के 2 मैच होंगे। श्रीलंका के खिलाफ आयरलैंड और स्कॉटलैंड के खिलाफ ओमान भिड़ेगी। इन मैचों के नतीजों से सुपर-6 स्टेज की 2 और टीमें तय हो सकती हैं। हरारे के ताकाशिंघा स्पोर्ट्स क्लब में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी नेपाल की शुरुआत खराब रही। टीम ने तीसरे ही ओवर में ओपनर आसिफ शेख का विकेट गंवा दिया। वह अपना खाता भी नहीं खोल सके। साथी ओपनर कुशल भुर्तेल ने भीम शर्की के साथ 46 रन की पार्टनरशिप की। लेकिन 20 रन के अंदर दोनों आउट हो गए। कुशल ने 27 और भीम ने 22 रन बनाए, इस बीच आरिफ शेख भी 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान रोहित पौडेल ने 33 रन बनाकर पारी संभाली, लेकिन नेपाल का कोई भी बैटर ज्यादा देर टिक नहीं सका। ज्यादातर बैटर्स सेट होने के बाद अपना विकेट दे कर चले गए और टीम 44.3 ओवर में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। नीदरलैंड्स से वान बीक ने 4 विकेट लिए। वहीं बास डी लीड और विक्रमजीत सिंह को 2-2 विकेट मिले, क्लैटॉन फ्लॉयड और आर्यन दत्त को 1-1 विकेट मिला। 168 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी नीदरलैंड को मैक्स ऑब्ड्डाउड और विक्रमजीत सिंह ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने 13 ओवर में 86 रन की पार्टनरशिप की। विक्रमजीत 30 रन बनाकर आउट हुए और ओपनिंग साझेदारी टूटी।

वेस्टइंडीज का वर्ल्डकप खेलना मुश्किल

क्वालीफायर में जिम्बाब्वे ने 35 रन से हराया; सिकंदर रजा बने प्लेयर ऑफ द मैच

हरारे। वेस्टइंडीज के लिए 2023 वनडे वर्ल्ड कप की राह मुश्किल हो गई है। इस समय जिम्बाब्वे में वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबले खेले जा रहे है। इसमें शनिवार को जिम्बाब्वे ने वेस्टइंडीज को 35 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर में 268 रन स्कोर किए। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज 44.4 ओवर में 233 रन बना कर ऑलआउट हो गई। अब वेस्टइंडीज को क्वालीफाई होने के लिए सुपर 6 में टॉप 2 में आना होगा। इससे अब ग्रुप स्टेज में ग्रुप, में वेस्टइंडीज के 4 पॉइंट हो गए। वहीं, जिम्बाब्वे के पास 6 पॉइंट्स है। ग्रुप क्र में श्रीलंका 4 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। हर ग्रुप में 5 टीम है। इसमें से दोनों ग्रुप की टॉप 3 टीम के बीच सुपर 6 टेबल के मुकाबले होंगे। इसमें सब एक दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगे और फाइनल टेबल के टॉप 2 टीम क्वालीफाई होंगी। लेकिन, इसमें ग्रुप टेबल के पॉइंट्स के साथ टीम सुपर 6 में जाएंगी। यानी अगर वेस्टइंडीज सुपर 6 टेबल में जाएगी तो उसके नीदरलैंड और जीम्बाब्वे के खिलाफ खेले मैच के पॉइंट्स सुपर 6 में काउंट होंगे। इस कारण अब वेस्टइंडीज के सुपर 6 में टॉप 2 पर आने की संभावना कम हो गई है।

जिम्बाब्वे की कमजोर शुरुआत, मिडिल आर्डर ने बचाया टॉस जीत कर वेस्टइंडीज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जिमबब्वे ने पहले बैटिंग की। जॉयलॉर्ड गम्बी और कप्तान क्रेग एर्विन बल्लेबाजी करने उतरे। गम्बी पहले ही 26 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद वेसली मधेवेरे 2 रन बना कर पवेलियन लौटे। एर्विन भी 47 रन बना कर आउट हो गए। सीन विलियम्स भी 23 रन बना कर चलते बने। मिडिल आर्डर में सिकंदर रजा और रयान बर्ल ने 87 रन की पार्टनरशिप की और टीम को बचाया। दोनों ने अर्धशतक लगाया। रजा ने 68 और बर्ल ने 50 रन स्कोर किए। इसके बाद क्लाइव मदांदे, वेलिंग्टन मसाकाद्जा, रिचर्ड नगारवा और तेंदई चतारा क्रमशः 5,6,4 और 8 रन बना कर आउट हुए। ब्लेसिंग मुजरबानी 11 रन पर ऑलआउट रहे। वेस्टइंडीज की ओर से फास्ट बोलेर कीमो पॉल ने 3 विकेट लिए। जबकि, अलजारी जोसफ ने 2, अकील हुसैन ने 2, रोस्टन चेज 1 और काइल मेयर्स ने 1 विकेट लिया।

क्या यशस्वी बनेंगे भारत के नए द वॉल

द्रविड़ के बाद पुजारा ने संभाली जिम्मेदारी; दोनों ने 28 साल में 55 शतक लगाए

भारत की टेस्ट क्रिकेट टीम इन दिनों उतार-चढ़ाव के दौर में है। कई अनुभवी प्लेयर्स उम्र की वजह से तो कुछ खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर हो रहे हैं। इन्हीं में से एक 35 साल के चेतेश्वर पुजारा भी रहे, जिन्हें पिछले दिनों जारी हुई वेस्टइंडीज दौरे की भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया।

पुजारा लंबे समय तक भारत की बैकबोन बने रहे, उन्होंने घरेलू और विदेश के टेस्ट में क्रीज पर लंबा समय टिकाया और रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों को परेशान किया। यही काम उनसे पहले राहुल द्रविड़ किया करते थे। दोनों ही नंबर-3 पर बैटिंग करते थे, अब वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी कमी पूरी करने के लिए यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड का सिलेक्शन हुआ है।

आंकड़े, टेक्नीक और पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए लग रहा है कि यशस्वी को ही

गायकवाड से पहले डेब्यू का मौका मिलेगा। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल ओपनिंग पोजिशन पर टिके ही हैं, ऐसे में यशस्वी को पुजारा की जगह नंबर-3 पर बैटिंग करनी होगी। डेब्यू से पहले ही 21 साल के यशस्वी पर द्रविड़ और पुजारा की कमी पूरी करने की जिम्मेदारी होगी। जिन्होंने भारत के लिए पिछले 28 साल में 18 हजार से ज्यादा रन बनाए और 55 सेंचुरी भी लगाई। जायसवाल ने डोमेस्टिक क्रिकेट के पिछले 3 साल से शानदार प्रदर्शन किया है। वह मुंबई की ओर से खेलते हैं और रणजी ट्रॉफी डेब्यू छत्तीसगढ़ के खिलाफ 2019 में हुआ था। इस दौरान यशस्वी तीसरे नंबर पर ही बैटिंग करते थे। कुछ समय बाद जायसवाल ने मुंबई के लिए ओपन करना शुरू कर दिया और पिछले 2 सीजन में उन्होंने इस पोजिशन पर खूब रन बनाए। 2019-20 में जायसवाल विजय हजारे ट्रॉफी (वनडे टूर्नामेंट) के टॉप-5 रन स्कोरर में शामिल रहे। उन्होंने 6 मैचों में 112.80 की औसत से 564 रन बनाए। वह लिस्ट-ए में दोहरा शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के क्रिकेटर हैं। यशस्वी ने 2021-22 के फर्स्ट क्लास सीजन में 83 के एवरेज से रन बनाए। उन्होंने इस साल घरेलू सीजन की शुरुआत में दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में दोहरा शतक लगाया। जायसवाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (ड्ढ्ढञ्ज) में बतौर रिजर्व खिलाड़ी शामिल हुए थे। हालांकि, उन्हें स्क्वॉड में मौका नहीं मिला। लेकिन अब ड्ढ्ढञ्ज की नई साइकल में वह बतौर बैटर नंबर-3 पर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत कर सकते हैं। यशस्वी ने साल 2020 में अंडर-19 वर्ल्ड खेलने के बाद ढ्ढक्क डेब्यू किया। शुरुआत में औसत प्रदर्शन करने के बाद पिछले सीजन उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया और एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन का अवॉर्ड जीता। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए जोस बटलर के साथ ओपनिंग की और प्रदर्शन के मामले में बटलर को भी पीछे छोड़ दिया।

बुमराह की वापसी को लेकर शास्त्री का बयान

कहा- जसप्रीत की वापसी में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए; उनका हाल शाहीन अफरीदी जैसा न हो जाए

टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी को लेकर सेलेक्टर्स को चेतावनी दी है। शास्त्री ने कहा, %बुमराह टीम इंडिया के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, लेकिन अगर आप वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए उनके साथ जल्दबाजी दिखाएंगे तो फिर आप उन्हें शाहीन अफरीदी की तरह ही अगले 4 महीने के लिए फिर से गंवा देंगे। इसलिए आपको इस बारे में काफी ध्यान से फैसला लेना होगा। बता दें, क्रिकबज की ओर से शनिवार को एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, जिसके अनुसार बुमराह अगस्त में भारत और आयरलैंड के बीच होने वाली टी-20 सीरीज से मैदान पर

वापसी कर सकते हैं। बुमराह यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (ह्रष्ट) में अगले महीने कुछ मैच खेलेंगे। भारत 18, 20 और 23 अगस्त को आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इस सीरीज से बुमराह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की तैयारी करेंगे। सेलेक्टर्स और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (क्चष्टष्ठ) चाहते हैं कि बुमराह धीरे-धीरे वर्ल्ड कप के लिए फिट हों और इसके लिए वह टी-20 मैच से उनकी वापसी चाहते हैं, जिसमें एक गेंदबाज को चार ओवर ही फेंकने होते हैं। हालांकि क्चष्टष्ठ की ओर से उनकी वापसी को लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गई है। बुमराह पिछले साल सितंबर से पीठ की चोट के कारण बाहर हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड में सर्जरी भी कराई थी। वह इस समय ह्रष्ट में हैं और अपनी चोट से उभर रहे हैं। इस कारण से ही वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023, ढ्ढक्क 2023 और टी-20 वर्ल्ड कप 2022 का भी हिस्सा नहीं थे।

विमेंस एशेज...तीसरे दिन टैमी ब्यूमोंट का दोहरा शतक: इंग्लैंड 463 पर ऑलआउट; ऑस्ट्रेलिया को 92 रन की बढ़त

इंग्लैंड के नॉटिंघम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड विमेंस टीम के बीच विमेंस एशेज का टेस्ट मैच खेला जा रहा है। शनिवार को मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड ने 463 रन बनाकर अपनी पहली पारी में ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट ने दोहरा शतक (208) लगाया। वह टीम की आखिरी बैटर के रूप में आउट हुईं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 473 रन बनाए थे, इस तरह उन्हें 10 रन की बढ़त मिली। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने बगैर नुकसान के 82 रन बना लिए। अब उनकी बढ़त 92 रन की हो चुकी है। टीम की ओपनर बेथ मूनी (33) और फीब लीचफील्ड (41) नॉटआउट लौटीं। तीसरे दिन इंग्लैंड ने पहली पारी में 218/2 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन की शुरुआत टैमी ब्यूमोंट (100) और नेट सीवर (41) ने की। इंग्लैंड को दिन का पहला झटका नेट सीवर के रूप में लगा। नेट सीवर 78 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर का शिकार बनी। गार्डनर ने उन्हें कप्तान एलिसा हिली के हाथों कैच कराया। ब्यूमोंट एक एंड पर टिकी रहीं, लेकिन दूसरे छोर पर किसी का साथ नहीं मिला। सीवर के बाद डैनी व्याट ही 44 रन की पारी खेल सकीं। उनके अलावा बाकी बैटर्स में सोफिया डंकली 9, एमी जोन्स 13, सोफी एक्लेस्टन 17 और लौरेन फिलर 11 ही रन बना सकीं। कैट क्रॉस और लौरेन बेल अपना खाता नहीं खोल पाईं।

ऑस्ट्रेलिया से एश्ले गार्डनर ने 4 विकेट लिए। उनके अलावा ताहलिया मैक्ग्रा को 3 विकेट मिले, वहीं एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड और डार्सी ब्राउन को 1-1 विकेट मिला। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 328/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड 39 और अलाना किंग 7 रन के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। ऑस्ट्रेलिया को आठवां झटका किंग (21) के आउट होने से लगा। इसके बाद किम गर्थ 22 और डार्सी ब्राउन 5 रन बनाकर आउट हुईं। एनाबेल सदरलैंड 137 रन बनाकर नाबाद लौटीं। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टन पांच विकेट झटकी। उनके अलावा लॉरेन फिलर और लौरेन बेल को 2-2, कैट क्रॉस को 1 विकेट मिला। दूसरे दिन इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट ने शतकीय पारी खेली। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर 218 रन बनाए थे। बुधवार को पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और दिन का खेल खत्म होने तक 7 विकेट पर 328 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया से एलिस पैरी 99 रन बनाकर कैच आउट हो गईं। पेरी के अलावा ताहलिया मैक्ग्रा ने ऑस्ट्रेलिया से फिफ्टी लगाई। वहीं इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टन ने 3 विकेट लिए। मेंस एशेज शुरू होने के 52 साल बाद 1934 में विमेंस एशेज शुरू हुई।

...और तितली उड़ गई

आवाज़ों का अपना अपना खिंचाव है! ये छिड़ी आवाज़ और पग खिंचते चले गए। आवाज़ें अपना चुंबकीय प्रभाव लिए घूमती हैं। यूकी कोयानागी की आवाज़ में दर्द का जो दरिया बहता है और आंखें छलका देता है वो प्रभाव जापानी कर्णश्रुतियों तक ही सीमित है! कुछ आवाज़ें ऐसी ही सीमितताओं में बंधी रहीं। दक्षिण के लिए हिंदी उच्चारण बड़ी चुनौती रही है और इसके रहते भी वहां के तमिल ब्राह्मण अय्यंगर परिवार से आई एक तितली ने सुरों में ताज़गी की ऐसी सुरभित झन्कार छेड़ी कि अकथित सिंहासन डोलने लगा! 'प्रेम में अंधे होते सुना है पर लोग बहरे भी होते हैं!!' इस तितली की सिमटी सी आवाज़ को लेकर कसा गया सबसे बड़ा तंज़। 'चले जाना ज़रा ठहरो किसी का दम निकलता है ये मंज़र देख कर जाना' (अराउंड द वर्ल्ड)। श्रोता ठहरने लगे और इस उड़ती उड़ती सी कमसिन शोख आवाज़ के मंज़र में खोने भी लगे! इस आवाज़ को भारतीय संगीत प्रेमियों के समक्ष लाने और सजाने का बीड़ा उठाया था संगीतकार शंकर (जयकिशन) ने फिल्मकार राज कपूर के आह्वान और उनकी वकालत पर। सरल-सी शब्द रचना सीधे-सीधे सुर लेकिन फलसफा बहुत गहरा, कविराज शैलेंद्र की कलम से निकला- तितली उड़ी, उड़ जो चली! तितली उड़ने लगी उड़ती चली गई। कई सीमितताओं भरी इस आवाज़ पर फिर एक और सीमितता लिए दायरा चढ़ा कि सिर्फ प्रणय प्रसंग तक ही सीमित रही ये आवाज़। देखो मेरा दिल मचल गया (सूरज), जान ए चमन बाहों में आ जाओ (गुमनाम), आपके पीछे पड़ गई मैं (एक नारी एक ब्रह्मचारी), तुम को सनम पुकार के (दीवाना), और ये आवाज़ भी धीरे-धीरे अपनी जगह बनाती चली गई। शंकर ने उन्हें वे ही गीत दिये जिसमें ये आवाज़ फबती थी। कुछ कैबरे भी उनकी आवाज में थिरका गए! ऐसे ही फिल्म 'जहां प्यार मिले' के एक कैबरे 'बात ज़रा है आपस की' के लिए उन्हें श्रोताओं का प्यार भी मिला और वो अप्रतिम अवॉर्ड भी जो कई नामी-गिरामी गायकों संगीतकारों के लिए जीवन भर ख्वाब ही रहा! कई बड़े नाम फिल्मफेयर नहीं पा सके। जबकि इस अवॉर्ड के लिए शारदा चार बार नामांकित हुईं।

'मेरी आवाज़ और उच्चारण हिन्दी के लिए वाकई चुनौती थी और इस चुनौती को स्वीकार कर पाना आसान नहीं था। शंकरजी ने इसे स्वीकार किया। मेरी विवशताओं और सीमितताओं को समझा, मुझे ट्रेंड किया, अपनी तरफ से गाने की बारीकियों को समझाने वाले गुरु से जोड़ा और मुझे प्रस्तुत किया। श्रोताओं के प्यार और आशीर्वाद ने मुझे शारदा बना दिया।' शारदा राजन विनम्रता से कहती थीं। शारदा अपने पति सौंदरा राजन के साथ जो उन दिनों ईरान एयर में थे, तेहरान में रह रहीं थी और तभी उनकी आवाज़ को वो पर मिले जिनसे वे फिल्मी दुनिया में हलचल मचाने उड़ती चली आईं। वे कहती हैं, 'शारदा की आवाज़! बहुत से लोगों ने इसे सराहा और कई दिलों ने जलन के साथ अस्वीकार भी किया। पर मेरे आने से हलचल मच गई।' वैसे शारदा भी स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर को ही आदर्श मानती रहीं! संगीतकार उषा खन्ना ने हौसला अफजाई की तो बाद-बाद में शारदाजी ने फिल्मों में संगीत भी दिया! रफी साहब का गाया 'अच्छा ही हुआ दिल टूट गया' (मां बहन और बीवी) उन्हीं की देन है। रफी साहब के साथ शारदाजी ने कई दौरे किये। रफी साहब उन्हें पसंद भी करते थे और प्रोत्साहित भी करते थे। फिल्मी पार्श्व गायकों के मुकाबले पार्श्व गायिकाओं पर आयुर्देव अधिक प्रसन्न रहे हैं, कैंसर से जूझते शारदाजी भी 86 बरस तक हमारे बीच रहीं और फिर तितली...!

राखी सावंत मामले में गायक मीका सिंह के खिलाफ केस खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेत्री राखी सावंत का कथित रूप से जबरन चुंबन करने को लेकर गायक मीका सिंह के खिलाफ वर्ष 2006 में दर्ज किया गया मामला बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस एसजी डिगे की खंडपीठ ने सावंत के एक हलफनामे का संज्ञान लेते हुए इस मामले में प्राथमिकी और आरोपपत्र को खारिज कर दिया। राखी सावंत ने इस हलफनामे में कहा था कि उन्होंने और सिंह ने सद्भावपूर्ण तरीके से इस मसले का हल कर लिया है। यह प्राथमिकी 11 जून, 2006 को दर्ज की गयी थी, क्योंकि उससे पहले सिंह ने यहां एक रेस्तरां में अपनी जन्मदिन पार्टी में कथित रूप से सावंत का चुंबन किया था। इस घटना के बाद मीका पर भादंसं की धारा 354 (छेड़छाड़) एवं 323 (हमला) लगायी गयी थीं। मीका ने इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर उससे प्राथमिकी और आरोपपत्र खारिज करने का अनुरोध किया था।

सत्यप्रेम की कथा में कैसे मिला रोल, कार्तिक आर्यन ने किया खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी लेटेस्ट फिल्म %सत्यप्रेम की कथा% में रोल कैसे मिला। %द कपिल शर्मा शो% पर शनिवार रात प्रसारित होने वाले एपिसोड में फिल्म %सत्यप्रेम की कथा% की टीम नजर आएगी, जिसमें कार्तिक, कियारा आडवाणी, सुप्रिया पाठक, गजराज राव, शिखा तल्सानिया, सिद्धार्थ रांदेरिया और अनुराधा पटेल शामिल होंगे। मजेदार बातचीत के बीच, कार्तिक ने बताया कि फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला को %भूल भुलैया 2% और कियारा के साथ उनकी जोड़ी पसंद आई। उन्होंने कहा, फिल्म में ज्यादा रोमांटिक सीन तो नहीं थे लेकिन रोमांस के कुछ पल थे। मुझे याद है जब वह कास्टिंग के सिलसिले में मुझसे पहली बार मिले थे और मेरा मानना है कि वह कियारा से भी मिले थे, उन्होंने कहा था कि %भूल भुलैया 2% हमारे लिए %बाजीगर% की तरह है और यह फिल्म %डीडीएलजे% की तरह होगी। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा। %द कपिल शर्मा शो% सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

इमरजेंसी भारत के सबसे काले अध्यायों में से एक, युवाओं को जानना जरुरी : कंगना रनौत

मुंबई। एक्ट्रेस-फिल्ममेकर कंगना रनौत की फिल्म %इमरजेंसी% का टीजर जारी किया गया है। साथ ही बताया गया कि यह फिल्म इसी साल 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा, %इमरजेंसी% हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और काले अध्यायों में से एक है जिसे युवा भारत को जानना आवश्यक है। यह एक महत्वपूर्ण कहानी है और मैं अपने सुपर-टैलेंटेड एक्टर्स जैसे स्वर्गीय सतीश जी, अनुपम जी, श्रेयस, महिमा और मिलिंद को इस क्रिएटिव जर्नी को एक साथ शुरू करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं भारत के इतिहास के इस असाधारण प्रसंग को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हूं। जयहिंद! %इमरजेंसी% का निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है, स्क्रीनप्ले रितेश शाह की है और कहानी कंगना की है। इसमें कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

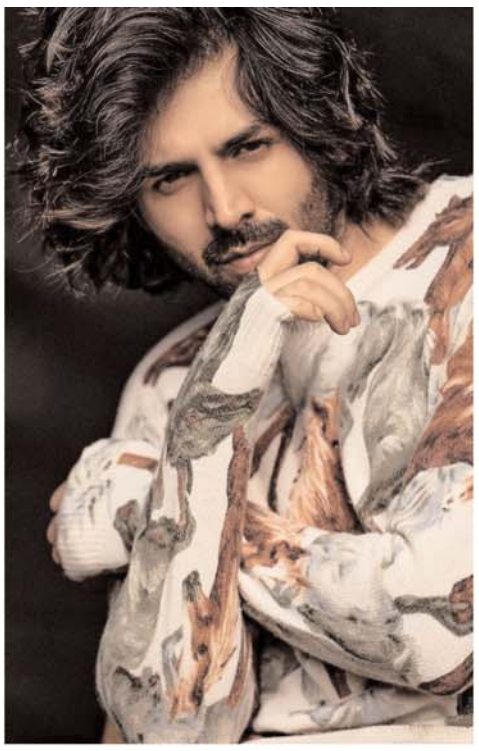

सलमान खान की टाइगर 3 का एवेंजर्स एंडगेम से कनेक्शन

मुंबई। सलमान खान और कैटरीना कैफ की अपकमिंग फिल्म %टाइगर 3% के निर्माताओं ने टॉप हॉलीवुड एक्शन कोऑर्डिनेटर क्रिस बार्न्?स को टीम में शामिल किया है, जिन्होंने मार्वल की हिस्टोरिक हिट %एवेंजर्स ः एंडगेम% पर काम किया है। क्रिस बार्न्?स एक्शन स्पेकटेकल्स बनाने में अनुभवी हैं और उनके बायो से पता चलता है कि वह मरीन एक्शन में माहिर हैं। क्रिस ने %द बॉर्न अल्टीमेटम%, %आई एम लीजेंड%, %जोकर%, %डॉक्टर स्ट्रेंज%, %स्पाइडर-मैनः फार फ्रॉम होम%, %एवेंजर्सः इन्फिनिटी वॉर% आदि जैसी बड़ी हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी काम किया है।

एक सूत्र ने कहा, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आज भारत में सबसे शानदार फिल्म फ्रेंचाइजी है और %टाइगर-3% जासूसी फ्रेंचाइजी में अपनी अनूठी पहचान बनाएगा, जो कि %पठान% या वॉर फ्रेंचाइजी से उल्लेखनीय रूप से अलग होगा। एक्शन इन एक्शन, एंटरटेनर्स के लिए मुख्य आधार है और निश्चित रूप से वाईआरएफ और मनीष शर्मा दर्शकों को एक ऐसी फिल्म देने के लिए हरसंभव प्रयास करने जा रहे हैं जिसे वे नहीं भूलेंगे। %टाइगर-3% वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स द्वारा निर्मित प्रसिद्ध ब्लॉकबस्टर का हिस्सा है और दो बड़ी हिट %एक था टाइगर% और %टाइगर जिंदा है% के बाद टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। %टाइगर-3% में कैटरीना कैफ सुपर जासूस जोया और इमरान हाशमी खलनायक की भूमिका में हैं।

बिग बॉस ओटीटी 2 में नए ट्विस्ट के साथ आएंगी रकुल प्रीत सिंह

मुंबई। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह %बिग बॉस ओटीटी-2% के वीकेंड का वार एपिसोड में अपनी अपकमिंग फिल्म %आई लव यू% का प्रमोशन करने आएंगी। फिलहाल, यह खुलासा नहीं हो पाया है कि क्या रकुल प्रीत गेस्ट अपीयरेंस के तौर पर आएंगी, या वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत करने के लिए एक स्पेशल गेस्ट के रूप में शामिल होंगी। उन्होंने कहा, मैं बिग बॉस ओटीटी पर पहले वीकेंड का वार का हिस्सा बनने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मैं शो की बहुत बड़ी फैन हूं और हमेशा वीकेंड एपिसोड देखने की कोशिश करती हूं! एक्ट्रेस ने कहा, मैं सभी कंटेस्टेंट्स से मिलने और सलमान सर के साथ समय बिताने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। सलमान सर को एक्शन में देखना बहुत मजेदार होने वाला है, और मैं स्पेशल ट्विस्ट के साथ वीकेंड के वार में आऊंगी। बता दें %आई लव यू% एक रोमांटिक थ्रिलर है। इसमें प्यार के भावुक और अंधेरे पक्ष को दर्शाया गया है, और इसमें पावेल गुलाटी, अक्षय ओबेरॉय और किरण कुमार भी हैं। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, %आई लव यू% एथेना और द वर्मिलियन वर्ल्ड की प्रोडक्शन है, जो जाने-माने फिल्म निर्माता निखिल महाजन द्वारा लिखित और निर्देशित है, और ज्योति देशपांडे, सुनीर खेतरपाल और गौरव बोस द्वारा निर्मित है। बिग बॉस ओटीटी 2 और आई लव यू जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

छोटा सा किरदार भी छू जाता है दिल को

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री राजेश्वरी सचदेव बहुमुखी प्रतिभा की धनी कलाकार हैं। वह अभिनेत्री, गायक, नृत्यांगना के साथ ही कार्यक्रम संचालक भी हैं। बचपन में 'सफेद कुंडली' नाटक में भीड़ का हिस्सा नजर आने वाली राजेश्वरी सचदेव ने सोलह साल की उम्र में मराठी फिल्म 'अयात्या घरात घरोबा' में नायिका बनकर आयी थीं। फिर 18 वर्ष की उम्र में श्याम बेनेगल की फिल्म 'सूरज का सातवां घोड़ा' में अभिनय कर हंगामा बरपा दिया था। फिर श्याम बेनगल निर्देशित फिल्म 'सरदारी बेगम' में सकीना का किरदार निभाकर सर्वश्रेष्ठ सह कलाकार के राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर राजेश्वरी ने अपनी अभिनय क्षमता जता दी थी। अब तक 32 साल के अपने कैरियर में राजेश्वरी सचदेव उत्कृष्ट निर्देशकों व कलाकारों के साथ लगभग चालीस फिल्मों और 14 टीवी सीरियलों में अभिनय कर चुकी हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'चिड़ियाखाना' प्रदर्शित हुई है,जिसमें वे बिहारी सिंगल मदर बिभा के किरदार में है। राजेश्वरी सचदेवा से हुई बातचीत।

शायद मेरी तकदीर में अभिनेत्री बनना लिखा हुआ था। क्योंकि मेरा जन्म ही कला जगत से जुड़े परिवार में हुआ था। मेरे माता-पिता ने मुझे पांच साल की उम्र से ही भरत नाट्यम सिखवाना शुरू कर दिया था। मेरी गुरु थी राज राजेश्वरी दास। फिर चौदह साल लगातार डांस किया। मेरे पिता शौकिया 'इप्टा' से जुड़कर नाटक किया करते थे। रिहर्सल में मैं और मेरा भाई अपने पिता के साथ जाया करते थे। इस बीच हम कैफी आजमी द्वारा शुरू किए गए 'इप्टा बाल मंच' में नाटक करने लगे थे। एमएस सथ्यू के साथ 'बकरी' किया। शबाना आजमी के नाटक 'सफेद कुंडली'।

पंद्रह साल की उम्र में मराठी फिल्म 'अयात्या घरात घरोबा' में अभिनय किया था। हाई स्कूल की परीक्षा खत्म होते ही मुझे इस मराठी फिल्म का ऑफर मिल गया था। केंद्रीय किरदार था। स्कूल में मराठी पढ़ी थी। पर मराठी अच्छे से सीखनी पड़ी थी। प्रशांत दामले सहित कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया।

श्याम बेनेगल अंकल की वजह से। मेरे पिता उनके साथ 'डिस्कवरी' में काम कर चुके थे,इस कारण एक बार हमारी मुलाकात हुई थी। एक दिन उन्होंने मेरे घर पर फोन किया कि क्या मैं उनकी फिल्म में अभिनय करना चाहूंगी? अब श्याम बेनेगल अंकल से न कहना संभव ही नहीं था। उन्होंने फिल्म 'सूरज का सातवां घोड़ा' में मुझे जमुना का किरदार दे दिया। फिल्म सफल हो गयी। फिर मैंने अंग्रेजी फिल्म 'लिटिल बुद्धा' की। फिर 1996 में श्याम बेनेगल के निर्देशन में फिल्म 'सरदारी बेगम' की। इस फिल्म ने मुझे सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार दिला दिया। उसके बाद मैंने श्याम बेनगल के साथ कई फिल्में व सीरियल किए। दूसरे फिल्मकारों के साथ भी काम किया और लगातार काम कर रही हूं। एक नहीं, ढेर सारे रहे हैं। सभी को सिलसिलेवार बताना थोड़ा मुश्किल है। मैं फिल्मों के साथ साथ नाटक व टीवी भी कर रही थी। टीवी पर एक काउंट डाउन शो 'सुपरहिट मुकाबला' आया था। इसमें लोहड़ी का एपीसोड कर लिया। गाना भी गा दिया। फिर मेरे पास कई संगीत कंपनियों से उनकी कंपनी के संगीत अलबमों के लिए गाने के ऑफर आ गए। मैंने कुछ तो मना कर दिए। फिर जब मेरे पास मैग्नासाउंड से आफर आया तो स्वीकार कर लिया। खैर,नक्श लायलपुरी ने मेरे लिए गाना लिखा। संगीतकार ने हिम्मत दी और गाना हिट हो गया। मैंने सोचा कि मुझे गायन में भी कोशिश करनी चाहिए। मैंने एक गाना कुलदीप सिंह के साथ गाया। तो मेरे दो-तीन अलबम आ गए। उसके बाद मैं फिर से अभिनय में व्यस्त हो गयी। फिल्म व टीवी में व्यस्त होने के चलते मैंने लंबे समय से नाटक किया नहीं था। उन दिनों मैं सीरियल 'बालिका वधू' की शूटिंग कर रही थी। तभी मुझे लिलेट दुबे ने म्यूजिकल नाटक 'गौहर जान' का ऑफर दिया, जिसमें मुझे गाना भी गाना था। इस नाटक को करके बहुत मजा आया। फिल्म 'हरी भरी' में अपने लिए गाना गाया था। अब 'चिड़ियाखाना' में भी कुछ गुनगुनाया है। जी हां! यह बहुत मजेदार फिल्म है। कई बार ऐसा होता है कि स्पेशल अपीयरेंस का छोटा सा किरदार होता है,जिसे सुनकर अंदर से आवाज आती है कि इसे तो करना ही पड़ेगा। 'नजरंदाज' में यही अहसास था। इस फिल्म में अपना सीन पढ़ा तो उसे निभाने की उत्सुकता बढ़ गयी। यह एक महिला है,जो अपने पूर्व प्रेमी से बीस-बाईस वर्ष बाद पुनः मिलती है। पता चला कि इसे गुजरात के कच्छ इलाके में फिल्माया जाना है। जहां के लोग कच्छी भाषा बोलते हैं। मेरा संवाद चार-पांच लाइन का था। कुछ दोस्तों से वह लाइनें बोलना मैंने सीख लिया। जब मैं सेट पर पहुंची, तो मुझे 25 साल बाद कुमुद मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार के साथ काम करने का अवसर मिल रहा था। पर भाषा को लेकर काफी सतर्क रहना पड़ता था। मैंने इससे पहले मनीष तिवारी संग फिल्म 'इसक' की थी। उस वक्त हमारे बेटे गोद में थे।

बृजमोहन ने पूछा : विद्यालयों की जर्जर स्थिति में कैसे होगी पढाई

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की बेहतरी के प्रदेश की कांग्रेस सरकार के फर्जी दावों का जमीनी सच यह है कि सोमवार से नए शिक्षा सत्र की शुरुआत ही जर्जर भवन, सुविधाओं के अभाव, शिक्षकों की कमी और स्कूल तक पहुंचने की दिक्कतों के बीच हुई। प्रदेश में 30 हजार से अधिक स्कूल इस सरकार के कारण जर्जर हो गए है । पिछले साड़े चार साल में उन्होंने स्कूल के मरम्मत व मेंटनेंस में कोई ध्यान नहीं दिया ।जिसका परिणाम अब सामने है। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा के दावे करके डींगे तो हाँक रही है लेकिन प्रदेशभर में शिक्षा की बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं के प्रति सरकार पूरी तरह उदासीन है।भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राजधानी से लगे ताराशिव में ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बावजूद हायर सेकेंडरी स्कूल नहीं खोलना प्रदेश सरकार के दावों की पोल तो खोल ही रहा है, साथ ही मुख्यमंत्री के उस दावे की धज्जियां भी उड़ा रहा है जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में की गई घोषणाओं से पूरा होने का दावा आँकड़ों के साथ किया था। ताराशिव में गत 23 जनवरी को भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में ही यह घोषणा की गई थी जिसका अब तक अता-पता नहीं है। श्री अग्रवाल ने कहा कि इसी तरह जांजगीर-चाँपा जिले में समग्र शिक्षा योजना के तहत स्कूलों की मरम्मत के लिए मार्च माह में राशि जारी होने के बावजूद जांजगीर-चांपा जिले की 23 और सक्ती जिले की 36 (कुल 59) स्कूलों की मरम्मत का काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। दो दर्जन से ज्यादा स्कूलों की मरम्मत का काम अब तक अधूरा है। रायपुर में सैकड़ो स्कूल के मरम्मत के लिए राशि जारी की गई है, पर एक भी स्कूल का मरम्मत नहीं हो पाया है। दुर्भाग्य जनक स्थिति तो यह है कि इसके लिए एजेंसी स्मार्ट सिटी को बनाया गया है ,जो अपना खुद का कार्य निगम से करवा रहा है । ऐसे ही हालात में सोमवार से शुरू नए शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों और शिक्षकों को होने वाली परेशानियों से प्रदेश सरकार बेफिक्र है।भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि शैक्षणिक सुविधाओं के नाम पर प्रदेश सरकार के मुँहजुबानी जमा-खर्च का आलम तो यह है कि बिलासपुर जिले में जिन जर्जर शाला भवनों की मरम्मत का काम चल रहा है, वहां विद्यार्थियों के बैठने तक की कोई व्यवस्था नहीं है। तोड़फोड़ के चलते धूल उड़ेगी और उसके बीच बच्चे पढ़ाई करने को विवश होंगे। जिले की 907 स्कूलों में बिजली की व्यवस्था नहीं है, वहीं 728 स्कूलों में बिजली कनेक्शन तो है लेकिन बिजली आपूर्ति बाधित है, 731 स्कूलों में बाउंड्री वाल नहीं है और वहाँ हमेशा नशेड़ियों का जमघट तथा मवेशियों का जमावड़ा रहता है। छात्राओं के टॉयलेट तक की व्यवस्था नहीं है। श्री अग्रवाल ने कहा कि सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति तो राजधानी के आनंद नगर में है। यहाँ नगर निगम ने मकानों के सामने 8 फीट गहरा और इतना ही चौड़ा नाला खोदकर छोड़ दिया है, इसके चलते रविवार को हुई बारिश से नाला मकान की तरफ धसकने लगा। 400 मीटर तक सड़क कीचड़ से लथपथ है। नाला धसकने से वहां के रहवासी चिंतित हैं और बुजुर्ग लगभग पखवाड़ेभर से घरों में कैद हैं! लेकिन अहम सवाल यह है कि ऐसी स्थिति में इन घरों के बच्चे अभी स्कूल कैसे जाएंगे

चुनावी कवायद: मुख्यमंत्री ग्वालियर चंबल में डेरा डालेंगे, अब 29 को फिर आ रहे

ग्वालियर। भाजपा सरकार पुनः बनाने के लिये अब मुख्यमंत्री भी जल्दी ही ग्वालियर डेरा डालेंगे। ऐसी खबर हैं कि वह अब हर सप्ताह ग्वालियर चंबल संभाग आयेंगे और भाजपाईयों को एकजुट करेंगे व उनमें चुनावी अभियान में सक्रिय रहने का मंत्र भी फूंकेंगे। मुख्यमंत्री के बार-बार आने से भाजपाई एकजुट हो सकते हैं। अभी हाल ही में 24 जून को ग्वालियर आये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह अब फिर 29 जून को ग्वालियर मुरैना आ रहे हैं। वह मुरैना में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिकरत करेंगे और वरिष्ठ भाजपा नेताओं, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद सहित निगम पार्षदों आदि से भी मिल सकते हैं। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की यह कवायद विधानसभा चुनावों को लेकर है। वह कुछ एजेंसियों की सर्वे रिपोर्ट से चिंतित है और राज्यभर में लगातार भागदौ? कर भाजपाइयों को एकजुट करने में लगे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का सपना लगातार पांचवीं बार राज्य में सरकार लाने का है और इसके लिये वह पुरजोर प्रयास भी कर रहे है, लेकिन पार्टी संगठन का जो साथ उन्हें मिलना चाहिये वह मिल नहीं पा रहा हैं। इसीलिये उनकी चिंता लगातार और ब? गई है।मुख्यमंत्री हर वीक आयेंगे ताकि डैमेज कन्ट्रोल होंब?ी खबर यह हैं कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह अब जल्दी-जल्दी ग्वालियर चंबल अंचल के विभिन्न जिलों, देहात, ब्लाक में दौरे करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री का प्रयास हैं कि इससे वह ग्वालियर चंबल अंचल में डैमेज कन्ट्रोल काफी हद तक कर सकते हैं। यहां के नेताओं के भरोसे वह अब चुनावी वैतरणी पार करने में संशय महसूस कर रहे हैं। इसीलिये स्वयं मुख्यमंत्री जमकर दौरे करने में लगे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय नशा? निरोधक दिवस पर मानसिक आरोग्यशाला? में हुआ विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

ग्वालियर 7 अंतर्राष्ट्रीय नशा? निरोधक दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानसिक आरोग्यशाला में विधिक साक्षरता शिविर लगाया गया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पी सी गुप्ता के निर्देशन? व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गालिब रसूल के मार्गदर्शन में लगाए गए इस शिविर में नशे के दुष्परिणाम और पी?तों को उपलब्ध कराए जाने वाले विधिक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस का महत्व एवं नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में मानसिक आरोग्य शाला के संचालक डॉ. संजय लहारिया ने नशा? की लत के कारण होने वाले दुष्प्रभाव, नशा पीड़ितों के पुनर्वास के संबंध में किये जाने वाले उपाय एवं नशा के दुष्प्रभावों के संबंध में जन जागरूकता की आवश्यकता आदि पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विश्व नशा निरोधक दिवस 2023 की थीम पर प्रकाश डालते हुये डॉ. साक्षी ने बताया कि विश्व नशा निरोधक दिवस की इस वर्ष की थीम के परिप्रेक्ष्य में कहा नशा एक जटिल समस्या है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले बहुत से लोग तमाम दुष्परिणामों के साथ-साथ भेदभाव का भी सामना करते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को और नुकसान पहुंचा सकता है। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता सुश्री शिल्पा डोगरा, डॉ. अमन किशोर, डॉ. एस बी जोशी, डॉ. रंजीत, डॉ. दीप्ती, डॉ. सुनील कुशवाह, डॉ. गेनुका गर्ग, डॉ. शोभा राम यादव, डॉ. शोभा राम शर्मा, पीएलव्ही वासुदेव मिश्रा, विधिक सेवा प्राधिकरण से सचिन कुमार प्रजापति, विक्रम बहादुर सिंह सहित पीजी कर रहे चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

ग्वालियर का पहला जत्था अमरनाथ जी के दर्शनों को रवाना

श्री बाबा बर्फानी हर हर महादेव सेवा समिति ग्वालियर का पहला जत्था श्री अमरनाथ जी के दर्शनों को झेलम एक्सप्रेस से रवाना हुआ7 यह जानकारी संरक्षक महेंद्र भदकारिया व सचिव पन्नालाल गौड ने दी इस अवसर पर अध्यक्ष लोकेश शर्मा, सुनील शिवहरे, श्याम लहारिया, सुनील बिरला, नीरज उपाध्याय, कोषाध्यक्ष भरत कुमार ढींगरा, अशोक राणा, गजेंद्र शर्मा, राहुल गुप्ता, दिलीप यादव, सुरेश कुशवाह सभी ने मालयअरपण कर यात्रियों स्वागत किया7 जत्थे का नेतृत्व राजेश सिकरवार कर रहे और ये बाबा के दर्शन कर भडारे मे सेवा देगे, जो भक्त उनके साथ गये बाबा के जयकारों जायेग साथ में सेवादार पूनम मोहिनी, शिवागी, मुरारी लाल वर्मा, अनीता वर्मा, संतोष, खूब चंद परिहार, बनवारी लाल गोयल, आरती गोयल, गिरराज गोयल, शिलपी आदि शामिल रहे7 कल 52 सदस्यों का जत्था जम्मूतवी एक्सप्रेस से भरत कुमार ढींगरा के नेतृत्व में जायेगा व 4 जुलाई को सचिव पन्नालाल गौड के नेतृत्व मे 52 सदस्यों का दल रवाना होगा

गुंडे, बदमाशों, जेहादियों और भष्ट्राचारियों की वकील है कांग्रेस- अमित साहू

रायपुर। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अमित साहू ने कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील शुक्ला द्वारा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव द्वारा जेहादियों के खिलाफ बुलडोजर चलाने का ऐलान किये जाने को विध्वंसक बताये जाने पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस शेरू असलम जैसों की वकील है। गुंडे, बदमाशों, अपराधियों, जेहादियों से कांग्रेस का कौन सा रिश्ता है जो ये उनकी पैरवी करने खड़े हो जाते हैं। भ्रष्टाचार के आरोपी पकड़े जाते हैं, बेहिसाब संपत्ति बरामद होती है, जेल जाते हैं और जमानत नहीं मिलती तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भ्रष्टाचारियों की वकालत करते हैं। उनके संरक्षण में छत्तीसगढ़ में गुंडागर्दी, अवैध कब्जेदारी, किसानों की जमीन हड़पने के साथ साथ जेहाद को बड़ावा मिल रहा है। भाजपा गुंडों, जेहादियों पर कार्रवाई करने का वादा जनता से करती है और दिल कांग्रेस का जलता है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू ने कहा कि कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण कि नीति के कारण छत्तीसगढ़ की जनता, विशेषकर ओबीसी और अन्य कमजोर समाज पिस रहा है। बिलासपुर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष असलम द्वारा किसान की जमीन हड़पना और किसानों को उठा लेने की धमकी देना हम कतई सहन नहीं करेंगे। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता अमित साहू ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव द्वारा इस विषय पर सवाल उठाने पर कांग्रेस द्वारा विध्वंसकारी कहा जा रहा है। जब भी कट्टर तत्वों के अपराधों के विरोध में आवाज उठाई जाती है, कांग्रेस के पेट में मरोड़ उठने लगती है। कांग्रेस को अपना बचा खुचा वोट बैंक भी खिसकता हुआ महसूस होने लगता है। सरेआम उठा लेने की धमकी देने वाला असलम जिसे शांतिप्रिय लगता हो और किसान बंधुओं के, पिछड़े समाज के विरुद्ध हो रहे जुल्म के खिलाफ आवाज उठाना अगर कांग्रेस को विध्वंसकारी लगता हो, तो हम यह कहना चाहते हैं कि ऐसा कार्य हम बार-बार करेंगे। भूपेश बघेल सरकार और कांग्रेस के लोग लाख प्रयास कर लें, हम छत्तीसगढ़ को असलम जैसे आततायियों का शिकार नहीं बनने देंगे।

मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन कर रैम्प, पानी व बिजली की पुख्ता व्यवस्था कराएँ : कलेक्टर

ग्वालियर 7 जिले के सभी मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन करें। साथ ही जिन शासकीय भवनों में मतदान केन्द्र स्थापित हैं, उनमें रैम्प, पेयजल व बिजली की पुख्ता व्यवस्था कराएँ। यदि भवन में मरम्मत की जरूरत है तो यह काम भी समयबद्ध कार्यक्रम के तहत पूरा कराएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबंधित अधिकारियों को दिए। सोमवार को यहाँ जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई अंतरविभागीय समन्वय बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार एवं अपर कलेक्टर एच बी शर्मा सहित जिले के एसडीएम तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जिन सरकारी स्कूलों में मतदान केन्द्र स्थापित हैं।

बृजमोहन ने पूछा :विद्यालयों की जर्जर स्थिति में कैसे होगी पढ़ाई?

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा की बेहतरी के प्रदेश की कांग्रेस सरकार के फर्जी दावों का जमीनी सच यह है कि सोमवार से नए शिक्षा सत्र की शुरुआत ही जर्जर भवन, सुविधाओं के अभाव, शिक्षकों की कमी और स्कूल तक पहुंचने की दिक्कतों के बीच हुई। प्रदेश में 30 हजार से अधिक स्कूल इस सरकार के कारण जर्जर हो गए है । पिछले सा? चार साल में उन्होंने स्कूल के मरम्मत व मेंटनेंस में कोई ध्यान नहीं दिया ।जिसका परिणाम अब सामने है। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा के दावे करके डींगे तो हाँक रही है लेकिन प्रदेशभर में शिक्षा की बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं के प्रति सरकार पूरी तरह उदासीन है।भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राजधानी से लगे ताराशिव में ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बावजूद हायर सेकेंडरी स्कूल नहीं खोलना प्रदेश सरकार के दावों की पोल तो खोल ही रहा है, साथ ही मुख्यमंत्री के उस दावे की धज्जियां भी उड़ा रहा है जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में की गई घोषणाओं से पूरा होने का दावा आँकड़ों के साथ किया था। ताराशिव में गत 23 जनवरी को भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में ही यह घोषणा की गई थी जिसका अब तक अता-पता नहीं है। श्री अग्रवाल ने कहा कि इसी तरह जांजगीर-चाँपा जिले में समग्र शिक्षा योजना के तहत स्कूलों की मरम्मत के लिए मार्च माह में राशि जारी होने के बावजूद जांजगीर-चांपा जिले की 23 और सक्ती जिले की 36 (कुल 59) स्कूलों की मरम्मत का काम अब तक पूरा नहीं हुआ है। दो दर्जन से ज्यादा स्कूलों की मरम्मत का काम अब तक अधूरा है। रायपुर में सैकड़ो स्कूल के मरम्मत के लिए राशि जारी की गई है, पर एक भी स्कूल का मरम्मत नहीं हो पाया है। दुर्भाग्य जनक स्थिति तो यह है कि इसके लिए एजेंसी स्मार्ट सिटी को बनाया गया है ,जो अपना खुद का कार्य निगम से करवा रहा है । ऐसे ही हालात में सोमवार से शुरू नए शिक्षा सत्र में विद्यार्थियों और शिक्षकों को होने वाली परेशानियों से प्रदेश सरकार बेफिक्र है। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि शैक्षणिक सुविधाओं के नाम पर प्रदेश सरकार के मुँहजुबानी जमा-खर्च का आलम तो यह है कि बिलासपुर जिले में जिन जर्जर शाला भवनों की मरम्मत का काम चल रहा है, वहां विद्यार्थियों के बैठने तक की कोई व्यवस्था नहीं है। तोड़फोड़ के चलते धूल उड़ेगी और उसके बीच बच्चे पढ़ाई करने को विवश होंगे। जिले की 907 स्कूलों में बिजली की व्यवस्था नहीं है, वहीं 728 स्कूलों में बिजली कनेक्शन तो है लेकिन बिजली आपूर्ति बाधित है, 731 स्कूलों में बाउंड्री वाल नहीं है और वहाँ हमेशा नशेड़ियों का जमघट तथा मवेशियों का जमावड़ा रहता है। छात्राओं के टॉयलेट तक की व्यवस्था नहीं है। श्री अग्रवाल ने कहा कि सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति तो राजधानी के आनंद नगर में है। यहाँ नगर निगम ने मकानों के सामने 8 फीट गहरा और इतना ही चौड़ा नाला खोदकर छोड़ दिया है, इसके चलते रविवार को हुई बारिश से नाला मकान की तरफ धसकने लगा। 400 मीटर तक सड़क कीचड़ से लथपथ है। नाला धसकने से वहां के रहवासी चिंतित हैं और बुजुर्ग लगभग पखवाड़ेभर से घरों में कैद हैं! लेकिन अहम सवाल यह है कि ऐसी स्थिति में इन घरों के बच्चे अभी स्कूल कैसे जाएंगे?

उपलब्ध हैं।
फाइनेंस / लोन / होम लोन
ग्वालियर मुरैना बामोर गोहद मालनपुर डबरा इत्यादि जगह में आप मकान खरीदने ओर प्लॉट खरीद कर मकान बनाने के लिए लोन के हैं जरुरत तो करें हमसे संपर्क।
संपर्क करें
07974596469

प्रो. अमित मो. 7772843302 9617243208
श्री हनुमते नमः
प्रो. दीपक मो. 9639422665 7024015532
जय दंदरौआ सरकार इन्टरप्राइजेज
डिस्पोजल

दोना पत्तल, डिस्पोजल प्लेट, ग्लास, पत्ते वाली पत्तल, दोने
निर्माता एवं थोक विक्रेता
शादी, पार्टी एवं अन्य शुभ कार्यो आदि में सभी सामान फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है

पुष्पांजली टुडे
आम सूचना / कोर्ट नोटिस
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1120
10×4 cm 1400
12×4 cm 1680
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

पुष्पांजली टुडे
गुमशुदा / खोया -पाया
नाम परिवर्तन
साइज फिक्स रूपये
8×4 cm 1050
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478